The Public Hub

वर्ष 1 अंक : 3 ₹ 4.00 पृष्ठ-8

www.thepublichub.in | जयपुर बुधवार 18 फरवरी, 2026

पेज 7 | स्पोर्ट्स

रवि बिश्नोई और दिव्यकृति सहित 137 को मिली... | 3

राजस्थान में 'खाकी-खादी और खान' का नापाक गठबंधन

'द पब्लिक हब' का बड़ा खुलासा : 70% खानों में लूट, 50% का मालिक तो खुद 'सिस्टम'!

अरावली की पहाड़ियों पर खनन माफिया का नहीं, सफेदपोशों और अफसरों का कब्जा

जयपुर (विशेष संवाददाता)। राजस्थान की अरावली पहाड़ियों और बेशकीमती खनिज संपदा पर सिर्फ माफिया का राज नहीं है, बल्कि इस 'महा-लूट' की पटकथा सरकारी फाइलों में ही लिखी जा रही है। 'द पब्लिक हब' की विशेष पड़ताल और भारतीय खान ब्यूरो (आईबीएम) की रिपोर्ट के चौंकाने वाले आंकड़े यह साबित करते हैं कि राजस्थान में खनन नियमों का उल्लंघन कोई इत्तेफाक नहीं, बल्कि एक सुनियोजित प्रशासनिक आत्मसमर्पण है।

70% खानों में नियमों की उड़ती धज्जियां : पिछले सात वर्षों (2018-2025) के आंकड़ों का विश्लेषण करने पर एक भयावह तस्वीर सामने आती है। राजस्थान में औसतन 10 में से 7 खानों में नियमों का गंभीर उल्लंघन पाया गया है। विशेष रूप से 2020-21 के कोरोना काल में, जब प्रशासन महामारी से लड़ रहा था, तब खनन माफिया के लिए यह 'आपदा में अवसर' साबित हुआ और 89% खानों में अवैध गतिविधियां दर्ज की गईं।

अधिकारियों की चुप्पी या साझेदारी?

द पब्लिक हब के रियलिटी चेक में पाया गया कि हर दूसरी खान में स्वीकृत 'माइनिंग प्लान' को दरकिनार कर तय सीमा से अधिक गहराई में खुदाई की जा रही है। तकनीकी अधिकारियों की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए रिपोर्ट में पूछा गया है कि क्या विभाग के इंजीनियरों को गायब होते पहाड़ नहीं दिखते? या फिर उनकी आंखों पर 'सुविधा शुल्क' की पट्टी बंधी है?

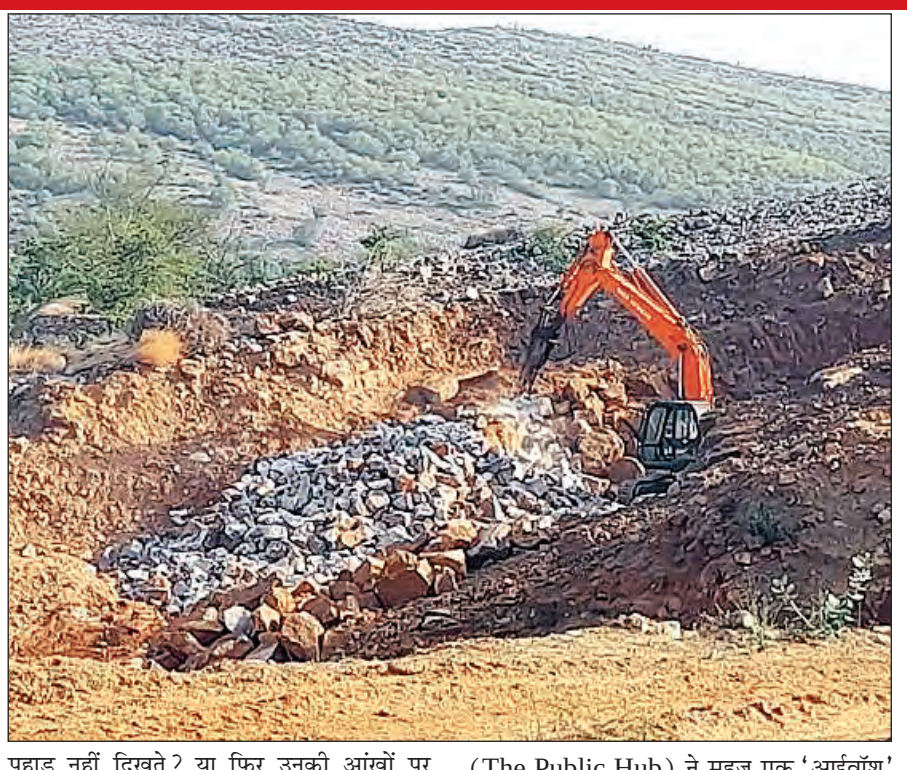

कार्रवाई या पब्लिसिटी स्टंट?

विभाग द्वारा 44 पट्टे रद्द करने और 72 लाख रुपये का जुर्माना वसूलने के दावे को पब्लिक हब (The Public Hub) ने महज एक 'आईवॉश' करार दिया है। हजारों करोड़ के पत्थर की अवैध तस्करी के सामने 72 लाख का जुर्माना सजा नहीं, बल्कि माफिया के लिए 'खर्चा-पानी' जैसा है। सवाल यह है कि कार्रवाई सिर्फ छोटे खिलाड़ियों पर ही क्यों? क्या बड़े 'मगरमच्छों' को बचाने के लिए यह दिखावा किया जा रहा है?

'पब्लिक हब' द्वारा संकलित 7 वर्षों का कच्चा चिट्ठा

वर्ष	कुल निरीक्षण	गंभीर उल्लंघन	लूट का (%) प्रतिशत
2018-19	83	71	85%
2019-20	121	75	62%
2020-21	68	61	89% (कोरोना काल)
2021-22	79	63	79%
2022-23	95	60	63%
2023-24	111	65	58%
2024-25	150	79	52%
कुल औसत	707	474	70% लगभग

पर्यावरण की बलि, माफिया की चांदी

अंधाधुंध खनन से न केवल राजस्व की चोरी हो रही है, बल्कि अरावली का पारिस्थितिकी तंत्र तबाह हो रहा है और जलस्तर लगातार गिर रहा है लेक हब (The Public Hub) इस रिपोर्ट के जरिए खनन विभाग के उच्चाधिकारियों को चुनौती देता है कि वे जनता के सामने आएं और इस 70% उल्लंघन की जवाबदेही तय करें।

विकसित राजस्थान को मिलेगी नई शक्ति

प्रधानमंत्री मोदी 28 को अजमेर में, देंगे 23,500 करोड़ की सौगात

राजस्थान के 21,000 युवाओं को पीएम अपने हाथों से सौंपेंगे सरकारी नियुक्ति पत्र

जयपुर/अजमेर (विशेष संवाददाता)। राजस्थान के विकास को एक नई गति देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 28 फरवरी को अजमेर के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे प्रदेशवासियों को 23,500 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात देंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को इस महत्वपूर्ण दौरे की पुष्टि करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री कई बड़ी परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे, जो प्रदेश के बुनियादी ढांचे की तस्वीर बदल देंगी।

युवाओं के लिए 'रोजगार उत्सव' का तोहफा

प्रधानमंत्री का यह दौरा राजस्थान के युवाओं के लिए ऐतिहासिक होने वाला है। अजमेर में आयोजित होने वाले मुख्य समारोह में 'रोजगार उत्सव' मनाया जाएगा। इस कार्यक्रम में पीएम मोदी स्वयं 21,000 युवाओं को सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को रोजगार देने के अपने संकल्प को प्रधानमंत्री की उपस्थिति में चरितार्थ करने जा रही है।

बुनियादी ढांचे पर 23.5 हजार करोड़ का निवेश

समारोह के दौरान प्रधानमंत्री सड़क, रेल, पानी, बिजली और चिकित्सा जैसे प्रमुख क्षेत्रों से जुड़ी 23,500 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि, 'प्रधानमंत्री की गरिमामयी उपस्थिति से 'विकसित राजस्थान' के संकल्प को नई ऊर्जा मिलेगी। ये प्रोजेक्ट्स प्रदेश के इंफ्रास्ट्रक्चर को सशक्त बनाने में मील का पत्थर साबित होंगे।' प्रधानमंत्री के दौरे को देखते हुए अजमेर जिला प्रशासन और राज्य सरकार अलर्ट मोड पर है। सुरक्षा व्यवस्था से लेकर जनसभा स्थल की व्यवस्थाओं के लिए वरिष्ठ अधिकारियों ने मोर्चा संभाल लिया है। माना जा रहा है कि यह रैली न केवल विकास की दृष्टि से, बल्कि राजनीतिक रूप से भी मध्य और पश्चिमी राजस्थान के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगी।

भ्रष्टाचार पर एक्शन

जयपुर नगर निगम में एसीबी का धमाका

कुत्तों की नसबंदी के बिल पास करने की एवज में 15 लाख की घूस, 2 डॉक्टर और ऑपरेटर गिरफ्तार

जयपुर (द पब्लिक हब)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने मंगलवार को राजधानी जयपुर में एक सनसनीखेज कार्रवाई करते हुए नगर निगम (हेरिटेज और ग्रेटर) की पशु प्रबंधन शाखा में चल रहे बड़े रिश्वतखोरी के रैकेट का भंडाफोड़ किया है। ब्यूरो ने 4 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए एक कंप्यूटर ऑपरेटर और दो वरिष्ठ पशु चिकित्सा

अधिकारियों को गिरफ्तार किया है। यह घूस आवारा कुत्तों की नसबंदी के बिल पास करने और अंगों की गिनती करने की एवज में मांगी गई थी।

एसीबी महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि जयपुर शहर में कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण का टेंडर लेने वाले एक ठेकेदार ने शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, नगर निगम हैरिटेज के डॉ. योगेश शर्मा ने पुराने बिलों के बदले 12 लाख रुपये और नगर निगम ग्रेटर के डॉ. राकेश कलोरिया ने नवंबर-दिसंबर के बिलों के लिए 4 लाख रुपये की मांग की थी। सोमवार को जाल बिछाकर एसीबी की टीम ने कंप्यूटर ऑपरेटर (संविदा कर्मी) जितेन्द्र सिंह को 4 लाख रुपये की पहली किस्त लेते हुए रंगे हाथों दबोच लिया। ऑपरेटर यह राशि दोनों डॉक्टरों के लिए ले रहा था। जांच में सामने आया कि भ्रष्टाचार का यह खेल बेहद अजीबोगरीब था। ठेकेदार द्वारा जमा किए गए बिलों को आगे बढ़ाने और कुत्तों के नसबंदी के बाद निकाले गए अंगों की भौतिक गणना करने की एवज में यह 'कमीशन' मांगा जा रहा था। डॉ. कलोरिया ने तो जनवरी 2026 से 3.50 लाख रुपये प्रति माह की 'बंधी' देने का भी दबाव बनाया था। एसीबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भूपेन्द्र के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई से नगर निगम के दोनों जोन में हड़कंप मच गया है। आईजी सत्येन्द्र कुमार और डीआईजी आनन्द शर्मा के निर्देशन में आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। एसीबी अधिकारियों का कहना है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति के तहत इस पूरे रैकेट की गहराई से जांच की जाएगी ताकि अन्य संलिप्त अधिकारियों के चेहरे बेनकाब हो सकें।

जेजेएम घोटाले में रिटायर्ड आईएएस और 9 सीनियर इंजीनियरों पर गिरी गाज

पीएचईडी में एसीबी की 'सर्जिकल स्ट्राइक' देश के 5 राज्यों में 15 ठिकानों पर रेड

जयपुर (द पब्लिक हब)। राजस्थान के जलदाय विभाग (पीएचईडी) में भ्रष्टाचार के खिलाफ मंगलवार तड़के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। जल जीवन मिशन (जेजेएम) महाघोटाले में ब्यूरो की टीमों ने जयपुर, उदयपुर, बाड़मेर सहित दिल्ली, झारखंड और बिहार में एक साथ 15 ठिकानों पर छापेमारी की। इस दौरान विभाग के 9 वरिष्ठ इंजीनियरों को हिरासत में लिया गया है, वहीं रिटायर्ड आईएएस व पूर्व एसीएस सुबोध अग्रवाल के ठिकानों पर भी सघन तलाशी जारी है। एसीबी ने इस ऑपरेशन को इतना गोपनीय रखा कि विभाग के अधिकारियों को इसकी भनक तक नहीं लगी। मंगलवार सुबह 3 से 4 बजे के बीच जब पूरा शहर सो रहा था, एसीबी की टीमों ने चिन्हित अधिकारियों के घरों के दरवाजे खटखटाए। यह कार्रवाई इरकॉन के फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र का इस्तेमाल कर सैकड़ों करोड़ रुपए के कार्यादेश हासिल करने और फर्जी भुगतानों से जुड़ी है।

होटल की 'डील' और एसीबी का बड़ा एक्शन : इस महाघोटाले की नींव अगस्त 2023 में ही हिल गई थी, जब एसीबी ने जयपुर के सिंधी कैंप स्थित एक होटल में 2.90 लाख रुपये की रिश्वत लेते बहरोड़ के एक्सईएन मायालाल सैनी और जेईएन प्रदीप को रंगे हाथों दबोचा था। जांच में सामने आया कि ठेकेदार पदमचंद जैन व महेश मित्तलकी फर्मों (श्री श्याम और श्री गणपति ट्यूबवेल) के बिल होटल में बैठकर बनाए जाते थे और वहीं इंजीनियरों के साथ 'कमीशन' की डील होती थी।

हिरासत में लिए गए रसूखदार

एसीबी ने विभाग के इन शीर्ष अधिकारियों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है जिसमें के.डी. गुप्ता / दिनेश गोयल मुख्य अभियंता (सीई) सेवारत, दिलीप कुमार गौड़ मुख्य अभियंता (सीई) सेवानिवृत्त, निरिल कुमार/शुभांशु दीक्षित अतिरिक्त मुख्य अभियंता (एसीई) सेवारत, अरुण श्रीवास्तव अतिरिक्त मुख्य अभियंता (एसीई) सेवानिवृत्त, एम.पी. सोनी अधीक्षण अभियंता (एसई) सेवानिवृत्त, सुशील शर्मा वित्तीय सलाहकार (एफए) तत्कालीन (जेजेएम), विशाल सक्सेना अधिशाषी अभियंता (एक्सईएन) निलंबित।

तीन एजेंसियों के रडार पर 'घूस की पाइपलाइन'

यह देश का ऐसा दुर्लभ मामला है जिसमें एसीबी, ईडी और सीबीआई तीनों सक्रिय हैं। पूर्व जलदाय मंत्री डॉ. महेश जोशी को 900 करोड़ के घोटाले में ईडी ने गिरफ्तार किया था। वे 6 महीने जेल में रहे और हाल ही में 3 दिसंबर को उन्हें सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिली है।

'हर-हर महादेव' के जयघोष से गूंजा सीएम आवास

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पत्नी संग किया रुद्राभिषेक, मांगी प्रदेश की खुशहाली

मां राजराजेश्वरी मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच संपन्न हुई पूजा, अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी लिया आशीर्वाद

जयपुर (विसं)। *महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर रविवार को पूरा प्रदेश शिव भक्ति में लीन नजर आया। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी अपनी धर्मपत्नी के साथ मुख्यमंत्री निवास स्थित मां राजराजेश्वरी मंदिर में देवाधिदेव महादेव की विशेष पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर प्रदेश की खुशहाली, सुख-समृद्धि और निरंतर प्रगति की कामना की।*

अजमेर में एसई 50 हजार घूस लेते गिरफ्तार

जयपुर (द पब्लिक हब)। एसीबी ने सोमवार को अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के अधीक्षण अभियन्ता बाबूलाल को एक मामले में 50 हजार रुपए की घूस लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। ब्यूरो के डीजी गोविन्द गुप्ता के अनुसार परिवादी ने शिकायत की कि उसकी फर्म को जारी किए गए वर्क ऑर्डर देने की एवज में राशि दो लाख 10 हजार रुपए की रिश्वत की मांगी जा रही है। सत्यापन में दो लाख रुपये की रिश्वत दिया जाना तय हुआ। ट्रैप कार्रवाई करते हुए बाबूलाल को 50 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए पकड़ लिया गया। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव के सुपरविजन एवं महानिरीक्षक राजेश सिंह के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ तथा अग्रिम कार्रवाई जारी है। एसीबी द्वारा मामलें मे भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जाएगा।

राजस्थान में न्यायिक समागम | जोधपुर एनएलयू के दीक्षांत समारोह में भी होंगे शामिल

जयपुर में साइबर सुरक्षा पर मंथन करेंगे सीजेआई

तीन दिवसीय राष्ट्रीय न्यायिक कॉन्फ्रेंस का होगा आयोजन, देश भर के दिग्गज जज और विशेषज्ञ डिजिटल चुनौतियों पर करेंगे चर्चा

जयपुर (विशेष संवाददाता)। राजस्थान की राजधानी जयपुर एक बार फिर देश के सबसे बड़े न्यायिक चर्चा का केंद्र बनने जा रही है। 20 से 22 फरवरी तक जयपुर के 'राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर' में साइबर सुरक्षा, आधुनिक तकनीक और न्याय व्यवस्था पर केंद्रित एक उच्च स्तरीय राष्ट्रीय न्यायिक कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण समागम का उद्घाटन भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत शुक्रवार शाम करीब 6 बजे करेंगे। उल्लेखनीय है कि पिछले एक वर्ष के भीतर सीजेआई का यह तीसरा राजस्थान दौरा है।

साइबर अपराध और एआई पर केंद्रित रहेगा चर्चा का केंद्र : यह कॉन्फ्रेंस अपनी तरह की पहली ऐसी पहल है जहाँ न्यायपालिका के समक्ष मौजूद तकनीकी चुनौतियों पर विस्तार से मंथन होगा। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आयोजित इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में मुख्य रूप से साइबर फॉरेंसिक, साइबर सुरक्षा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे आधुनिक विषयों पर गहन सत्र आयोजित किए जाएंगे। इस सम्मेलन का उद्देश्य न्याय प्रक्रिया में तेजी लाने और साइबर अपराधों से निपटने के लिए कानूनी ढांचे को और अधिक सुदृढ़ बनाना है।

जोधपुरः एनएलयू के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे सीजेआई

जयपुर में कॉन्फ्रेंस के शुभारंभ के पश्चात, प्रधान न्यायाधीश शनिवार सुबह जोधपुर के लिए प्रस्थान करेंगे। वहां वे राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के 18वें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। सुबह 10:30 बजे आयोजित होने वाले इस समारोह में सीजेआई डिग्री प्राप्त करने वाले भविष्य के कानूनविदों को संबोधित करेंगे और उन्हें न्याय के मूल्यों के प्रति मार्गदर्शन देंगे।

जजों का महाकुंभ

कॉन्फ्रेंस में न केवल एससी के कई वरिष्ठ न्यायाधीश शामिल होंगे, बल्कि इलाहाबाद और मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों सहित विभिन्न राज्यों के उच्च न्यायालयों के जजों को भी आमंत्रित किया गया है। कानून के विशेषज्ञ और तकनीकी विशेषज्ञ एक साझा मंच पर आकर न्यायिक प्रणाली में तकनीक के प्रभावी उपयोग पर राय साझा करेंगे।

सुरक्षा के कड़े प्रबंध

सीजेआई और देश के अन्य वरिष्ठ न्यायाधीशों की सुरक्षा को लेकर जयपुर और जोधपुर दोनों शहरों में कड़े इंतजाम किए गए हैं। आयोजन स्थलों पर विशेष सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं और यातायात व्यवस्था को भी सुचारू रखने के निर्देश दिए गए हैं।

देश की पहली डिजिटल जनगणना

मोबाइल ऐप से घर-घर जाकर होगी गिनती, गलत जानकारी देने पर 3 साल की जेल

1 अप्रैल से शुरू होगा महाअभियान, 33 सवालों के देने होंगे जवाब, मकानों की लिस्टिंग के साथ पूछे जाएंगे सुविधाओं के हाल

नई दिल्ली। देशभर में पहली बार 'डिजिटल जनगणना' की तैयारी शुरू हो गई है। सरकार ने इस बार नियमों को बेहद सख्त कर दिया है। अगर आप जनगणना के दौरान जानकारी देने से मना करते हैं या गलत जानकारी देते हैं, तो आपको भारी जुर्माना भरना पड़ सकता है या जेल की हवा खानी पड़ सकती है। जनगणना अधिनियम 1948 और नियम 1990 के तहत, हर नागरिक के लिए इसमें सही जानकारी देना कानूनी रूप से अनिवार्य कर दिया गया है।

जनगणना का काम दो चरणों में पूरा किया जाएगा। पहला चरण 1 अप्रैल 2026 से 30 सितंबर 2026 के बीच अलग-अलग राज्यों में चलेगा।

इस चरण में मकानों का सूचीकरण होगा। प्रगणक घर-घर जाकर यह देखेंगे कि घर पक्का है या कच्चा, उसमें पानी, बिजली और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं हैं या नहीं।

मोबाइल ऐप से रियल टाइम डाटा कलेक्शन

यह देश की पहली ऐसी जनगणना होगी जो पूरी तरह से डिजिटल होगी। सरकारी कर्मचारी घर-घर जाकर मोबाइल ऐप के जरिए डाटा इकट्ठा करेंगे। ऐप के माध्यम से यह डाटा तुरंत केंद्रीय सर्वर पर अपलोड हो जाएगा, जिससे आंकड़ों में गलती की गुंजाइश कम रहेगी। हर 1000 लोगों की आबादी पर एक प्रगणक तैनात किया जाएगा।

असली कर्मचारी की पहचान कैसे करें ?

आजकल ठगी के मामले बढ़ रहे हैं, इसलिए सतर्क रहना जरूरी है। जनगणना के लिए आपके घर आने वाले सरकारी कर्मचारी (प्रगणक) के पास संबंधित क्षेत्र के तहसीलदार द्वारा जारी किया गया आईडी कार्ड होगा। जानकारी देने से पहले आप उनसे यह कार्ड मांगकर उनकी पहचान सुनिश्चित कर सकते हैं।

सावधान! झूठ बोला तो होगी कार्रवाई

सरकार ने स्पष्ट किया है कि जनगणना राष्ट्रीय महत्व का कार्य है। यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर गलत जानकारी देता है या जानकारी देने से इनकार करता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और 3 साल तक की कैद व 1000 रुपये तक का जुर्माना।

आपसे मुख्य रूप से ये पूछा जाएगा

- मकान की स्थिति (कच्चा/पक्का)
- पीने के पानी का स्रोत
- बिजली कनेक्शन है या नहीं
- शौचालय की सुविधा
- रसोई गैस एलपीजी कनेक्शन
- वाहन और अन्य संपत्तियां

राजस्थान हाईकोर्ट का फैसला

75 साल की उम्र में तलाक मंजूर नहीं, कहा- संपत्ति विवाद में नहीं टूटेगा 5 दशक का साथ

जयपुर। बेटों के बीच संपत्ति बंटवारे के विवाद के चलते मां-बाप का 5 दशक पुराना रिश्ता टूटने के कगार पर पहुंच गया था, लेकिन राजस्थान हाईकोर्ट ने इसे बचा लिया। कोर्ट ने 75 वर्षीय सेवानिवृत्त स्कूल प्रिंसिपल की तलाक की अर्जी को खारिज करते हुए कहा कि जीवन के अंतिम पड़ाव में संपत्ति विवाद या सामान्य पारिवारिक मतभेदों के आधार पर विवाह समाप्त नहीं किया जा सकता।

12 साल चला मुकदमा, कोर्ट ने कहा- यह क्रूरता नहीं

न्यायाधीश सुदेश बंसल और न्यायाधीश अनिल कुमार उपमन की खंडपीठ ने पारिवारिक न्यायालय, भरतपुर के 18 अक्टूबर 2019 के आदेश को सही ठहराया। कोर्ट ने कहा कि पति-पत्नी ने 1967 से 2013 तक, यानी 46 साल तक बिना किसी शिकायत के जीवन बिताया है। इतने लंबे वैवाहिक जीवन में छोटे-मोटे झगड़े सामान्य होते हैं और इन्हें

'क्रूरता' नहीं माना जा सकता। संपत्ति विवाद 58 साल पुराने रिश्ते को खत्म करने का पर्याप्त आधार नहीं है।

बेटों के बंटवारे से शुरू हुआ था विवाद

अपीलार्थी के अधिवक्ता के अनुसार, विवाद की असली जड़ बेटों के बीच संपत्ति का बंटवारा था। पत्नी चाहती थी कि संपत्ति बड़े बेटे को दी जाए, जबकि पति (अपीलार्थी) दोनों बेटों को बराबर हिस्सा देने के पक्ष में थे। इसी बात को लेकर दोनों के बीच दूरियां बढ़ीं।

दहेज और मारपीट के आरोप भी लगे : मामले में मोड़ तब आया जब 2014 में पत्नी ने पति पर दहेज प्रताड़ना और मारपीट का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराई, हालांकि पुलिस ने जांच के बाद एफआर पेश कर दी थी। पत्नी ने आरोप लगाया था कि पति एक महिला को घर बुलाना चाहते थे और विरोध करने पर उन्हें धक्का देकर निकाला गया।

वहीं, पति ने पत्नी पर देखभाल न करने का आरोप लगाया था।

घटनाक्रम एक नजर में

29 जून 1967 : दोनों की शादी हुई। इनके दो बेटे और एक बेटी है, जिनकी शादियां हो चुकी हैं।

अगस्त 2010 : अपीलार्थी प्रिंसिपल के पद से रिटायर हुए।

26 मई 2014 : पति ने तलाक के लिए पारिवारिक न्यायालय में याचिका दायर की।

अक्टूबर 2019 : पारिवारिक न्यायालय ने तलाक की अर्जी खारिज की।

वर्तमान : अब हाईकोर्ट ने भी तलाक देने से इंकार कर दिया।

राजस्थान का 'ग्लोबल' धमाका : 6 महीने में निर्यात 50,000 करोड़ पार, इंजीनियरिंग और ज्वैलरी सेक्टर ने भरी ऊंची उड़ान

भजनलाल सरकार की नीतियों का असरः पहली छमाही में ही 13 हजार करोड़ की रिकॉर्ड बढ़त,

जयपुर। मरुधरा की कला और उद्यमिता ने वैश्विक बाजार में अपनी धाक जमा दी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश के निर्यात सेक्टर ने एक नया इतिहास रच दिया है। भारत सरकार के डीजीसीआई (ष्ठत्रष्ठद्ब) द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में ही राजस्थान से 50,900 करोड़ रुपये से अधिक का निर्यात दर्ज किया गया है। यह आंकड़ा न केवल उत्साहजनक है, बल्कि प्रदेश की आर्थिक मजबूती का प्रमाण भी है।

आर्थिक समीक्षा के आंकड़ों पर नजर डालें तो राजस्थान के निर्यात ग्राफ में जबरदस्त उछाल

आया है। विशेष रूप से इंजीनियरिंग, टेक्सटाइल और ज्वैलरी जैसे पारंपरिक क्षेत्रों में राजस्थान ने लंबी छलांग लगाई है।

'पंचरत्न' ने बदला खेलः 67% हिस्सेदारी इन्हीं 5 सेक्टरों की

प्रदेश के कुल निर्यात में पांच प्रमुख वस्तुओं की हिस्सेदारी 67 प्रतिशत से भी अधिक है। इंजीनियरिंग सेक्टर 19,849 करोड़ के निर्यात के साथ सबसे आगे है। वहीं, रत्न एवं आभूषण सेक्टर ने सबसे ज्यादा चौंकाया है। इस सेक्टर में 57% की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जो 11,183 करोड़ से बढ़कर 17,567 करोड़ पहुंच गया है।

नीति आयोग की तर्ज पर 'निर्यात नीति-2024' बनी गेमचेंजर

विशेषज्ञों का मानना है कि इस उछाल के पीछे मुख्यमंत्री द्वारा लागू की गई 'राजस्थान निर्यात प्रोत्साहन नीति-2024' का बड़ा हाथ है। सिंगल विंडो क्लीयरेंस ने कागजी कार्रवाई का समय घटाया है। वहीं, सरकार द्वारा उत्पाद परीक्षण और अंतरराष्ट्रीय मेलों में भाग लेने के लिए दी जा रही 75% तक की वित्तीय सहायता ने छोटे निर्यातकों को बड़ा संबल दिया है।

अब 'मसाला कॉन्क्लेव' से किसानों की चमकेगी किस्मत

भजनलाल सरकार अब कृषि निर्यात को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की तैयारी में है। बजट 2026-27 में 'कॉन्क्लेव ऑन स्पाइसेज' की घोषणा की गई है। इसके तहत प्रदेश के 2,000 किसानों और व्यापारियों को एक्सपोर्ट की ट्रेनिंग दी जाएगी। बता दें कि इस वर्ष कृषि निर्यात ?7,195 करोड़ रहा है, जिसे सरकार और बढ़ाना चाहती है।

पर्यटकों की सुरक्षा का 'मेगा प्लान'

बनेगा नया सेफ्टी ब्लूप्रिंट, खाटूश्यामजी मेले पर रहेगा विशेष फोकस

जयपुर। 'पधारो म्हारे देस' की परंपरा को और सुरक्षित बनाने के लिए राजस्थान पुलिस ने कमर कस ली है। प्रदेश में आने वाले देसी-विदेशी पर्यटकों की सुरक्षा के लिए अब एक विशेष 'सेफ्टी ब्लूप्रिंट' तैयार किया जाएगा। गुरुवार को पुलिस मुख्यालय (क्काक्त) में पुलिस महानिदेशक (ष्ठत्रक्क) राजीव कुमार शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में यह फैसला लिया गया।

बैठक में पर्यटन विभाग और पुलिस के आला अधिकारियों ने मंथन किया कि कैसे राजस्थान को पर्यटकों के लिए देश का सबसे सुरक्षित राज्य बनाया जाए।

खाटूश्यामजी मेले के लिए विशेष निर्देश

डीजीपी ने आगामी खाटूश्यामजी लक्खी मेले में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं।

हेल्पलाइन डिस्प्लेः मेले में जगह-जगह पुलिस सहायता बूथ लगाए जाएंगे। वहां स्टेंडीज पर पुलिस हेल्पलाइन 112 और 'राजकॉप सिटीजन ऐप' (ऋड्डद्भष्टशश्च ष्टद्बह्लद्ब5द्गठ्ठ ्रश्चश्च) के क्यूआर कोड और लिंक प्रमुखता से प्रदर्शित किए जाएंगे।

अन्य धार्मिक स्थलः खाटूश्यामजी के अलावा मेहंदीपुर बालाजी, सालासर, पुष्कर और श्रीनाथद्वारा जैसे प्रमुख धार्मिक स्थलों पर भी सुरक्षा व्यवस्था को अपग्रेड किया जाएगा।

पर्यटक सहायता बल होगा हाई-टेक

पर्यटकों की मदद के लिए तैनात 'पर्यटक सहायता बल' (ञ्जस्न) को अब और अधिक सुदृढ़ और हाई-टेक बनाया जाएगा। राज्य में पर्यटन थानों की संख्या बढ़ाई जाएगी। पुलिसकर्मियों को पर्यटकों के साथ मृदु व्यवहार और सुरक्षा का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट और बस स्टैंड पर 'पर्यटक सहायता बूथ' बनेंगे, जहां एक क्यूआर कोड स्कैन करते ही पर्यटकों को सारी जानकारी मिल जाएगी।

नया पीएमओ अब 'सेवा तीर्थ'

मोदी ने किया उद्घाटन, एक ही छत के नीचे होंगी देश की तीन महाशक्तियां

'कर्तव्य पथ' पर सत्ता का नया केंद्रः पीएमओ, एनएसए और कैबिनेट सचिवालय अब एक साथ, राष्ट्रीय सुरक्षा और नीतिगत फैसलों में आएगी तेजी

नई दिल्ली। देश के प्रशासनिक इतिहास में शुक्रवार को एक नया अध्याय जुड़ गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना के तहत बने नए और अत्याधुनिक प्रधानमंत्री कार्यालय परिसर का उद्घाटन किया। इस भव्य परिसर को 'सेवा तीर्थ' नाम दिया गया है। इसके साथ ही पीएम ने 'कर्तव्य भवन-1' और 'कर्तव्य भवन-2' का भी लोकार्पण किया।

सत्ता नहीं, 'सेवा' और 'कर्तव्य' का संगम

उद्घाटन समारोह के दौरान पीएम ने संदेश दिया कि यह नया भवन केवल सत्ता का केंद्र नहीं, बल्कि जनसेवा का सर्वोच्च स्थान है। इसीलिए इसका नामकरण 'सेवा तीर्थ' किया गया है।

वहीं, सहायक इमारतों को 'कर्तव्य भवन' नाम देकर अधिकारियों को राष्ट्र के प्रति उनके दायित्वों का बोध कराया गया है। यह सरकार के 'सेवा परमोधर्म' और 'कर्तव्य ही पूजा' के मूल मंत्र को दर्शाता है।

रणनीतिक बदलावः अब साउथ ब्लॉक से नहीं, यहां से चलेगा देश

'सेवा तीर्थ' परिसर की सबसे बड़ी खासियत इसका रणनीतिक एकीकरण है। अब तक देश की तीन सबसे महत्वपूर्ण प्रशासनिक इकाइयां अलग-अलग भवनों (मुख्यतः साउथ ब्लॉक) में थीं। लेकिन अब ये तीनों एक ही परिसर में आ गई हैं।

प्रधानमंत्री कार्यालय

राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय

कैबिनेट सचिवालय

विशेषज्ञों का मानना है कि इन तीनों के एक साथ आने से आपसी समन्वय बेहतर होगा। इससे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े संवेदनशील मामलों और बड़े नीतिगत फैसलों में अभूतपूर्व तेजी आएगी।

क्यों खास है 'सेवा तीर्थ'?

हाई-टेक सुरक्षा: यह परिसर आधुनिक सुरक्षा प्रणाली से लैस है, जो किसी भी तरह के साइबर और भौतिक हमलों से सुरक्षित है। इमारत को ग्रीन बिल्डिंग मानकों के आधार पर तैयार किया गया है।यह परियोजना नए संसद भवन और कर्तव्य पथ के पुनर्विकास का ही एक हिस्सा है, जिसका उद्देश्य औपनिवेशिक काल की इमारतों से हटकर आधुनिक भारत की जरूरतों के हिसाब से काम करना है।

सावधान! गूगल पर 'फासटैग पास' सर्च करना पड़ सकता है भारी

असली दिखने वाली वेबसाइट लगा रही हजारों का चूना

जयपुर। अगर आप अपने वाहन के लिए नेशनल हाईवे का एनुअल पास' बनवाने या रिन्यू करने की सोच रहे हैं, तो रुकिए और यह खबर ध्यान से पढ़िए। साइबर ठगों ने अब गूगल सर्च इंजन का सहारा लेकर लोगों को ठगने का नया और हाई-टेक तरीका निकाल लिया है। राजस्थान पुलिस के महानिदेशक (साइबर क्राइम) संजय अग्रवाल ने इसे लेकर प्रदेशवासियों के लिए एक विशेष एडवाइजरी जारी की है। डीजीपी श्री अग्रवाल ने बताया कि आम तौर पर लोग गूगल पर सर्च करने पर सबसे ऊपर आने वाले लिंक को ही असली मान लेते हैं। साइबर अपराधी इसी भरोसे का फायदा उठा रहे हैं। वे त्रश्शद्द्यद्ग ्रस्रह्य और स्श्वह्र (सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन) का इस्तेमाल कर अपनी फर्जी वेबसाइटों को सर्च रिजल्ट में सबसे ऊपर दिखा रहे हैं। इन वेबसाइटों का डिजाइन, लोगो और इंटरफेस बिल्कुल असली ह्र्रद्ब पोर्टल जैसा होता है, जिससे आम आदमी आसानी से झांसे में आ जाता है।

आरएएस मेन्स-2023 के अभ्यर्थी अब देख सकेंगे अपनी कॉपियां, 9 मार्च से शुरू होंगे आवेदन

अजमेर। राजस्थान लोक सेवा आयोग ने आरएएस मुख्य परीक्षा-2023 में शामिल हुए अभ्यर्थियों को बड़ी राहत देते हुए पारदर्शिता की दिशा में एक और कदम उठाया है। अब अभ्यर्थी अपनी उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन स्वयं कर सकेंगे। आयोग ने कॉपियों को ऑनलाइन देखने और डाउनलोड करने का विस्तृत शेड्यूल जारी कर दिया है।

9 मार्च से 8 अप्रैल तक करें आवेदन

आयोग सचिव के अनुसार, इच्छुक अभ्यर्थी 9 मार्च 2026 से 8 अप्रैल 2026 तक आयोग के आधिकारिक पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

इसके लिए अभ्यर्थियों को

आयोग की वेबसाइट पर 'कैंडिडेट इनफॉर्मेशन' सेक्शन में जाना होगा। वहां 'आरएस (मैन) एग्जाम 2023' के लिंक पर क्लिक करना होगा। अपना रोल नंबर, आवेदन क्रमांक और जन्म तिथि दर्ज करनी होगी। अंत में ओटीपी के माध्यम से लॉगिन कर आवेदन करना होगा।

सावधान! आरटीआई या ऑफलाइन अर्जी होगी खारिज

आयोग ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि उत्तर पुस्तिकाएं प्राप्त करने के लिए केवल आयोग के पोर्टल के माध्यम से किए गए आवेदन ही स्वीकार किए जाएंगे।
यदि कोई अभ्यर्थी ऑनलाइन आरटीआई पोर्टल या किसी अन्य ऑफलाइन माध्यम/डाक से प्रार्थना पत्र भेजता है, तो उसे स्वीकार नहीं किया जाएगा।

आरटीई में बड़ा बदलावः अब एक नहीं, 4 कक्षाओं में मिलेगा फ्री एडमिशन, 20 फरवरी से आवेदन

निजी स्कूलों में नर्सरी से पहली कक्षा तक प्रवेश के रास्ते खुले, 6 मार्च को निकलेगी लॉटरी

बीकानेर/जयपुर शिक्षा संवाददाता। राजस्थान के निजी स्कूलों में अपने बच्चों को निःशुल्क पढ़ाने का सपना देख रहे अभिभावकों के लिए बड़ी खुशखबरी है। प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय ने सत्र 2026-27 के लिए नई गाइडलाइन जारी कर दी है। इस बार नियमों में बड़ा बदलाव करते हुए एंट्री लेवल एंट्री लेवल का दायरा बढ़ा दिया गया है। अब छात्र

नर्सरी से लेकर पहली क्लास तक यानी कुल 4 कक्षाओं में आरटीई के तहत फ्री एडमिशन पा सकेंगे।

20 से आवेदन, 6 को लॉटरी

शिक्षा निदेशालय द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, आरटीई के तहत ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 20 फरवरी से शुरू हो जाएगी। अभिभावकों द्वारा आवेदन करने के बाद 6 मार्च को राज्य स्तर पर लॉटरी निकाली जाएगी, जिसके जरिए बच्चों को स्कूलों में सीटों का आवंटन होगा। आरटीई एडमिशन प्रभारी चंद्र किरण पंवार ने बताया कि सीटों का निर्धारण पिछले 3 सालों के औसत एडमिशन के आधार पर किया जाएगा। स्कूलों की कुल सीटों में से 25% सीटें फ्री एडमिशन के लिए आरक्षित रहेंगी। इस नए फॉर्मूले का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि यदि किसी स्कूल में बीच की कक्षाओं में छात्र स्कूल छोड़ देते हैं।

नई गाइडलाइन के अनुसार अब इन 4 स्तरों पर प्रवेश मिलेगा। अभिभावक बच्चे की उम्र के हिसाब से आवेदन कर सकते हैं।

नर्सरी प्री-प्राइमरी : 3 से 4 साल तक के बच्चे।
एलकेजी प्री-प्राइमरी : 4 से 5 साल तक के बच्चे।
यूकेजी प्री-प्राइमरी : 5 से 6 साल तक के बच्चे।
पहली कक्षा फ्रर्स्ट क्लासः 6 से 7 साल तक के बच्चे।

राजस्थान के खिलाड़ियों को राज्य सरकार का 'गोल्डन' तोहफा!

रवि बिश्नोई और दिव्यकृति सहित 137 को मिली सरकारी नौकरी

भजनलाल सरकार ने 'आउट ऑफ टर्न' नियुक्तियों को दी हरी झंडी : स्पिनर रवि बिश्नोई बनेंगे डीएसपी, पैरालंपियन मोना बनीं व्याख्याता

जयपुर (विशेष संवाददाता)। *राजस्थान की भजनलाल सरकार ने प्रदेश के खिलाड़ियों का मान बढ़ाते हुए उन्हें बड़ी सौगात दी है। लंबे इंतजार और संघर्ष के बाद आखिरकार 'आउट ऑफ टर्न पॉलिसी' के तहत राज्य के 137 अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय खिलाड़ियों की सरकारी नौकरी का रास्ता साफ हो गया है।*

भजनलाल सरकार ने इन नियुक्तियों को आधिकारिक मंजूरी दे दी है, जिसके तहत खिलाड़ियों को उनकी खेल उपलब्धियों के आधार पर डीएसपी से लेकर व्याख्याता और कांस्टेबल तक के पद आवंटित किए गए हैं। सरकार के इस फैसले से प्रदेश के कई नामचीन खिलाड़ियों को राजस्थान पुलिस में राजपत्रित अधिकारी बनने का गौरव प्राप्त हुआ है। भारतीय क्रिकेट टीम के उभरते स्पिनर रवि बिश्नोई, एशियन गेम्स की गोल्ड मेडलिस्ट और अर्जुन अवार्डी घुड़सवार दिव्यकृति सिंह, शूटर मानिनी कौशिक और अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी सचिन को पुलिस उपाधीक्षक के पद पर नियुक्ति दी गई है।

शिक्षा और खेल विभाग में भी नियुक्तियां : *सिर्फ पुलिस सेवा ही नहीं, शिक्षा और खेल विभाग में भी पदक विजेताओं को जगह मिली है। पैरालंपियन मोना अग्रवाल का चयन 'व्याख्याता शारीरिक शिक्षा' के पद पर हुआ है। वहीं, पैरा गेम्स के पदक विजेता राकेश भैरा और अनीता को खेल विभाग में 'कोच' के पद पर नियुक्त किया गया है।*

130 खिलाड़ियों को इन पदों पर मिली 'वर्दी' और 'कलम' : *शीर्ष नामों के अलावा नेशनल गेम्स और नेशनल चैंपियनशिप में पदक जीतने वाले अन्य 130 खिलाड़ियों को भी विभिन्न विभागों में सुरक्षित भविष्य मिला है।*

'जून तक 300 और नौकरियां देंगे': *खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि सरकार खिलाड़ियों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आंकड़ों के जरिए बताया कि पिछली सरकार ने 5 साल में 248 खिलाड़ियों को नौकरी दी थी, जबकि वर्तमान सरकार ने दिसंबर 2023 से अब तक 186 नियुक्तियां दे दी हैं और 137 की सूची अब जारी हुई है। उन्होंने घोषणा की कि जून 2026 तक 300 से ज्यादा और खिलाड़ियों को नियुक्ति देकर उनका भविष्य सुरक्षित किया जाएगा।*

वेलेंटाइन डे पर कृष्ण संकीर्तन से गूंजा शहर

आध्यात्मिक संस्कारों से सशक्त होती है नारी, तभी समृद्ध होता है समाज : गोस्वामी

सेवा कुंज फाउंडेशन एवं श्री राधा मदन मोहन मंदिर के संयुक्त तत्वावधान में 'सोल रूट भजन जैमिंग' कार्यक्रम का आयोजन

जयपुर (विशेष संवाददाता)। *वेलेंटाइन डे के अवसर पर सेवा कुंज फाउंडेशन एवं श्री राधा मदन मोहन मंदिर के संयुक्त तत्वावधान में 'सोल रूट भजन जैमिंग' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को अध्यात्म और सनातन संस्कृति से जोड़ते हुए प्रेम के वास्तविक स्वरूप को राधा-कृष्ण भक्ति के माध्यम से प्रस्तुत करना रहा। कार्यक्रम में भजन, कीर्तन और सामूहिक कृष्ण संकीर्तन के माध्यम से वातावरण भक्तिमय हो उठा। युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव किया।*

सेवा कुंज फाउंडेशन की अध्यक्ष शुभा रानी गुप्ता ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को भौतिक आकर्षण से हटाकर आध्यात्मिक प्रेम की ओर ले जाना समय की आवश्यकता है। इसी उद्देश्य से वेलेंटाइन डे को कृष्ण सामूहिक संकीर्तन के रूप में मनाया गया, ताकि प्रेम का शाश्वत स्वरूप समाज के सामने आए। फाउंडेशन की सांस्कृतिक निदेशक अपर्णा वाजपेई ने बताया कि हर उत्सव को राधा-कृष्ण के दिव्य प्रेम से जोड़कर विश्व में सच्चे प्रेम और सद्भाव का संदेश पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि संस्था निरंतर प्रयासरत है कि युवा आध्यात्मिकता के साथ सनातन जीवन शैली को अपनाएं।

कार्यक्रम के अतिथि महंत दीपक वल्लभ गोस्वामी ने कृष्ण मंत्रों की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि 'मंत्र-जप और भक्ति मनुष्य के जीवन को सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यदि एक महिला आध्यात्मिक संस्कारों के साथ आगे बढ़ती है, तो उससे जुड़ा पूरा परिवार और समाज उन्नति की ओर अग्रसर होता है, क्योंकि महिलाएं ही सशक्त समाज का निर्माण करती हैं।'

कार्यक्रम में ज्योति जोशी, डॉ सुरुचि गोस्वामी, स्नेहलता भारद्वाज, सुगन चंद भंडार, प्रकाश गर्ग, रेशमा खान, आरजे कार्तिक, एकता अग्रवाल, दीप्ति चौधरी सैनी, अप्लव सक्सेना सहित अनेक प्रबुद्ध लोगों ने संकीर्तन किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं और श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही तथा अंत में सामूहिक आरती के साथ आयोजन का समापन हुआ।

थर्ड ग्रेड शिक्षकों के तबादलों पर बोले-शिक्षा मंत्री

अभी 'पूर्ण प्रतिबंध', नई पॉलिसी आने तक करना होगा इंतजार

सदन में गूंजा ट्रांसफर का मुद्दा, मदन दिलावर बोले-नीति प्रक्रियाधीन है, जिला बदलने पर खोनी होगी वरिष्ठता

जयपुर (विसं)। राजस्थान में लाखों तृतीय श्रेणी शिक्षकों के तबादलों का इंतजार और लंबा हो सकता है। विधानसभा में शुक्रवार को प्रश्नकाल के दौरान इस मुद्दे पर जमकर हंगामा हुआ। विधायक गोविन्द प्रसाद द्वारा पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने स्पष्ट किया कि वर्तमान में तबादलों पर पूरी तरह रोक लगी हुई है।

शिक्षा मंत्री ने सदन में खुलासा किया कि सरकार एक 'नई स्थानांतरण नीति' तैयार कर रही है। यह नीति अभी प्रक्रियाधीन है और इसके फाइनल होने के बाद ही सामान्य तबादलों पर कोई निर्णय लिया जाएगा। दिलावर ने कहा, 'सरकार तृतीय श्रेणी शिक्षकों के स्थानांतरण पर गंभीरता से विचार कर रही है, लेकिन व्यवस्था के तहत ही कदम उठाए जाएंगे।'

मंत्री ने सदन को बताया कि पिछले दिनों जो कुछ तबादले या जिला परिवर्तन किए गए थे, वे केवल उन शिक्षकों के हुए थे जिन्होंने 'वरिष्ठता विलोपन' के सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए थे। यानी, अपना जिला बदलने वाले शिक्षकों को नए जिले में सबसे जूनियर माना जाएगा।

अत्यावश्यक मामलों में ही मिलेगी छूट : दिलावर ने साफ किया कि जब तक प्रतिबंध नहीं हटता, तब तक केवल अत्यावश्यक मामलों में सक्षम स्तर से विशेष अनुमोदन के बाद ही स्थानांतरण संभव हैं। विभागीय आवश्यकता और रिक्त पदों की स्थिति को देखकर ही इक्का-दुक्का फैसले लिए जा रहे हैं।

विपक्ष ने घेरा, मंत्री ने किया पलटवार : तबादलों के मुद्दे पर सदन में पक्ष और विपक्ष के बीच जबरदस्त शोर-शराबा देखने को मिला। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और अन्य विपक्षी विधायकों ने सरकार पर वादा खिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि 'दो साल बीत जाने के बाद भी सरकार ने शिक्षकों के लिए कुछ नहीं किया।' इसके जवाब में शिक्षा मंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, 'आपकी सरकार के समय तो शिक्षक केवल चक्कर काटते रहे, हमने कम से कम प्रक्रिया तो शुरू की है और पारदर्शी नीति बना रहे हैं।'

RGHS में महाघोटाला

मुर्दों और छुट्टी पर गए डॉक्टरों के नाम पर उठाए क्लेम, 7 डॉक्टर सस्पेंड

प्रदेश की भजनलाल सरकार का बड़ा एक्शन : अब तक 39 करोड़ की रिकवरी और 64 सस्पेंशन, मरीजों की एसएसओ आईडी लेकर खाली किया सरकारी खजाना

जयपुर (विशेष संवाददाता)। राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम में चल रहे बड़े फर्जीवाड़े और भ्रष्टाचार के नेटवर्क पर भजनलाल सरकार ने अब तक की सबसे बड़ी सर्जिकल स्ट्राइक की है। चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर के सख्त रुख के बाद विभाग ने सीकर जिले के 7 सरकारी डॉक्टरों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इसके साथ ही भरतपुर के एक निजी अस्पताल और बीकानेर के एक डायग्नोस्टिक सेंटर के खिलाफ धोखाधड़ी की एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए गए हैं।

जांच में हुआ चौंकाने वाला खुलासा : ऑडिट रिपोर्ट में सामने आया कि निजी अस्पतालों और लैब संचालकों ने सरकारी डॉक्टरों के साथ मिलीभगत कर लूट का नया तरीका निकाला था।

1. **भरतपुर का 'एसएसओ आईडी' कांड :** भरतपुर स्थित 'भरतपुर नर्सिंग होम' और 'कशिश फार्मेसी' ने मरीजों को मुफ्त इलाज का झांसा देकर उनकी एसएसओ आईडी और पासवर्ड अपने कब्जे में ले लिए। इसके बाद पोर्टल पर फर्जी तरीके से दवाइयां और महंगी जांचें चढ़ाकर सरकारी भुगतान उठा लिया गया।

2. **बीकानेर में 'फर्जी सील' और 'मुर्दा' डॉक्टर :** बीकानेर के 'बोथरा डायग्नोस्टिक एंड इमेजिंग सेंटर' में उन डॉक्टरों के नाम और सील वाली पर्चियों पर क्लेम उठाया गया, जो या तो उस दिन ड्यूटी पर नहीं थे या छुट्टी पर थे। कई मामलों में तो उन डॉक्टरों के नाम का भी इस्तेमाल हुआ जिनकी मृत्यु हो चुकी है या जो वहां कभी तैनात ही नहीं रहे।

सीकर के ये 7 डॉक्टर हुए निलंबित : चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने गंभीर अनियमितताएं मिलने पर इन चिकित्सकों को सस्पेंड किया जिसमें मेडिकल कॉलेज सीकर: डॉ. कमल कुमार अग्रवाल, डॉ. सुनील कुमार ढाका, डॉ. मुकेश वर्मा। एसके अस्पताल: डॉ. गजराज सिंह, डॉ. एसएस राठौड़, डॉ. सुनील शर्मा। सीएचसी किरवा: डॉ. राकेश कुमार। आरजीएचएस के सीईओ हरजीलाल अटल के अनुसार, घोटाले की जड़ें काफी गहरी हैं। अब तक की गई कार्रवाई के आंकड़े इस प्रकार हैं।

रिकवरी	अस्पतालों और फार्मेसी से अब तक 39 करोड़ रुपये से अधिक की वसूली।
सस्पेंशन	डॉक्टरों सहित अब तक कुल 64 कार्मिक निलंबित।
एफआईआर	विभिन्न जिलों में अब तक 19 एफआईआर दर्ज।
कार्ड ब्लॉक	500 फर्जी कार्ड ब्लॉक किए गए और लाभार्थियों से 2 करोड़ वसूले गए।

बजाज नगर में गूंजा 'राष्ट्र प्रथम' का शंखनाद

स्वदेशी-समरसता से ही सशक्त होगा समाज : निम्बाराम

विराट हिंदू सम्मेलन : पुलवामा के शहीदों को दी श्रद्धांजलि, 'पंच परिवर्तन' को जीवन में उतारने का लिया संकल्प

जयपुर (विशेष संवाददाता)। राजधानी के बजाज नगर में शनिवार को आयोजित 'विराट हिंदू सम्मेलन' राष्ट्रभक्ति और सामाजिक चेतना के संदेश के साथ संपन्न हुआ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय प्रचारक निम्बाराम और गलता पीठ के पीठाधीश्वर स्वामी राघवेंद्राचार्य के सानिध्य में आयोजित इस कार्यक्रम में हजारों की संख्या में उपस्थित जनसमूह ने 'राष्ट्र प्रथम' और 'समरस समाज' के निर्माण का संकल्प लिया। मुख्य वक्ता के रूप में अपने उद्बोधन में क्षेत्रीय प्रचारक निम्बाराम ने कहा कि सनातनी परंपरा में 'राष्ट्र' सर्वोपरि है। उन्होंने 14 फरवरी को पुलवामा हमले में शहीद हुए वीर जवानों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन केवल जयपुर ही नहीं, बल्कि पूरे देश में नागरिकों के भीतर राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध जगाने के लिए आयोजित किए जा रहे हैं।

'पंच परिवर्तन' को बनाएं जीवन का आधार : निम्बाराम ने समाज को दिशा देते हुए 'पंच परिवर्तन' के पांच सूत्रों को व्यावहारिक जीवन में उतारने का आह्वान किया। उन्होंने जोर देकर कहा, 'विविधता में एकता ही हिंदू समाज की विशेषता है।' उन्होंने परिवारों में संस्कार, परंपरा और नियमित संवाद को आवश्यक बताते हुए भोजन की बर्बादी रोकने व समाज के वंचित वर्गों को साथ लेकर चलने की अपील की।

समाज की एकता समय की मांग : गलता पीठ के स्वामी राघवेंद्राचार्य ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज की सांस्कृतिक चेतना को जीवित रखते हैं।

उन्होंने भारत की प्राचीन सभ्यता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समाज को विभाजन से बचाकर एकता की दिशा में आगे बढ़ना समय की मांग है। सामाजिक समरसता केवल शब्दों में नहीं, बल्कि हमारे दैनिक व्यवहार में दिखनी चाहिए।

इंजीनियरिंग का कमाल | **टायरों की सरसराहट बदलेगी संगीत की धुन में, सुरक्षा और मनोरंजन का अनोखा संगम**

भारत की पहली म्यूजिकल रोड 'समृद्धि महामार्ग' पर गाड़ी दौड़ाइये और सुनिए ए.आर. रहमान का 'जय हो'

मुंबई (एजेंसी)। भारत के बुनियादी ढांचे में आज एक सुरीला अध्याय जुड़ गया है। महाराष्ट्र में देश की पहली ऐसी सड़क तैयार की गई है जो 'गाती' है। जब आपकी गाड़ी नागपुर के पास से गुजरती है, तो सड़क और टायरों के घर्षण से ऑस्कर विजेता गीत 'जय हो' की धुन गूंज उठती है। यह अभिनव प्रयोग हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे महाराष्ट्र समृद्धि महामार्ग पर किया गया है।

कैसे 'गाती' है यह सड़क? यह कोई जादू नहीं, बल्कि ध्वनि विज्ञान और इंजीनियरिंग का बेहतरीन नमूना है।

रम्बल स्ट्रिप्स: सड़क की सतह पर एक निश्चित अंतराल और गहराई पर खास खांचे या 'रम्बल स्ट्रिप्स' बनाई गई हैं। जब वाहन के टायर इन खांचों के ऊपर से गुजरते हैं, तो एक विशिष्ट कंपन पैदा होता है।

स्पीड का गणित : इन स्ट्रिप्स को इस तरह डिजाइन किया गया है कि जब गाड़ी 80 से 100 किमी/घंटा की निश्चित गति पर होती है, तो यह कंपन हवा के माध्यम से संगीत के सुरों में बदल जाती है। यदि गति कम या ज्यादा हुई, तो धुन स्पष्ट सुनाई नहीं देगी। इस म्यूजिकल रोड को बनाने का उद्देश्य केवल सफर को सुहाना बनाना नहीं, बल्कि हादसों को रोकना है।

हाईवे हिप्नोसिस से बचाव: लंबे और सीधे हाईवे पर लगातार ड्राइविंग से चालकों को 'एकतारा' महसूस होती है और नींद आने लगती है, जिसे 'हाईवे हिप्नोसिस' कहते हैं।

चालक की सतर्कता : अचानक बजने वाला संगीत ड्राइवर का ध्यान खींचता है और उसकी सुस्ती को तोड़ देता है। इससे चालक सतर्क रहता है और सड़क दुर्घटनाओं की संभावना कम हो जाती है।

जापान-अमेरिका के बाद अब भारत

दुनिया के कई विकसित देशों जैसे जापान, दक्षिण कोरिया, अमेरिका और डेनमार्क में ऐसी म्यूजिकल रोड्स पहले से ही सड़क सुरक्षा का हिस्सा हैं। भारत में इस तकनीक को लाने के लिए महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम ने अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों का सहयोग लिया है।

बीकानेर में 11 दिनों का महापड़ाव रंग लाया

प्रदेश में अब नहीं चलेंगी खेजड़ी पर कुल्हाड़ियां, सरकार ने लगाई तत्काल रोक

बीकानेर (विशेष संवाददाता)। राजस्थान के राज्य वृक्ष 'खेजड़ी' को बचाने के लिए बीकानेर में चल रहा संतों और पर्यावरण प्रेमियों का 11 दिनों का तप और संघर्ष आखिरकार रंग लाया है। भारी जनदबाव और संतों के संकल्प के आगे झुकते हुए भजनलाल सरकार ने प्रदेश में खेजड़ी की कटाई पर तत्काल प्रभाव से पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। सरकार ने लिखित आश्वासन दिया है कि इसी बजट सत्र में एक बेहद सख्त 'ट्री प्रोटेक्शन कानून' लाया जाएगा। इस ऐतिहासिक घोषणा के बाद बीकानेर कलेक्ट्रेट पर चल रहा महापड़ाव गुरुवार देर रात स्थगित कर दिया गया। गुरुवार रात करीब 10 बजे सरकार का एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल बीकानेर धरना स्थल पहुंचा। इसमें राज्यमंत्री के.के. बिश्नोई, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष बिहारीलाल बिश्नोई, फलोदी विधायक पच्चाराम विश्नोई और जीव-जंतु कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष जसवंत सिंह बिश्नोई शामिल थे। उन्होंने राजस्व विभाग के सचिव डॉ. जोगाराम द्वारा जारी आदेश की प्रति मंच पर संतों को सौंपी।

सम्पादकीय

आमबजट : प्रदेश के सामाजिक ढांचे में बड़े बदलाव का संकेत

वित्त मंत्री दीया कुमारी द्वारा पेश किया गया 6.11 लाख करोड़ रुपये का बजट केवल वित्तीय आवंटन नहीं, बल्कि राजस्थान के सामाजिक ढांचे में बड़े बदलाव का संकेत है। इस बजट के केंद्र में तीन 'पिलर्स' हैं: महिला, युवा और आधुनिक शिक्षा को केंद्र में रखकर साल 2047 के 'विकसित राजस्थान' की मजबूत नींव रखी है। इस बजट की सबसे क्रांतिकारी घोषणा पुत्र-वधू को अनुकंपा नियुक्ति के दायरे में लाना है। यह निर्णय न केवल कानूनी है, बल्कि गहरा सामाजिक संदेश देता है कि बहुएं परिवार का अभिन्न हिस्सा हैं। एकल महिला कर्मचारियों के लिए Child Care Leave (CCL) के स्पेल 3 से बढ़ाकर 6 करना और सरोगेसी से मां बनने वाली महिलाओं को 180 दिन का मातृत्व अवकाश देना, बदलती जीवनशैली और मातृत्व के प्रति सरकार की संवेदनशीलता को दर्शाता है।'महिला बाल शक्ति संकुल' और 150 कॉलेजों में आत्मरक्षा प्रशिक्षण (रानी लक्ष्मीबाई केंद्र) जैसे कदम महिलाओं को मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत बनाएंगे। युवाओं के लिए सरकार ने 4 लाख नौकरियों का रोडमैप पेश कर अपनी प्राथमिकता स्पष्ट कर दी है। लेकिन इस बजट की असली ताकत 'स्वरोजगार' और 'तकनीकी दक्षता' में छिपी है। अजमेर, भरतपुर और कोटा में डेटा और AI लैब की स्थापना यह बताती है कि राजस्थान अब पारंपरिक शिक्षा से आगे बढ़कर भविष्य की तकनीक (Industry 4.0) के लिए तैयार हो रहा है। 10वीं और 12वीं के मेधावी छात्रों को 20 हजार रुपये के ई-वाउचर देना डिजिटल शिक्षा की दिशा में एक बड़ा प्रोत्साहन है।

पारदर्शिता का वादा: भर्ती परीक्षाओं में धांधली रोकने के लिए स्टेट टेस्टिंग एजेंसी (STA) का गठन युवाओं के विश्वास को बहाल करने की दिशा में सबसे जरूरी कदम है। बजट का सबसे मानवीय और प्रगतिशील पहलू पुत्र-वधू को अनुकंपा नियुक्ति के दायरे में लाना है। अब तक यह अधिकार केवल रक्त संबंधों तक सीमित था, लेकिन इस बदलाव ने 'बहू' को परिवार की एक अनिवार्य कड़ी के रूप में कानूनी और आधिकारिक मान्यता दी है। इसके साथ ही, एकल महिलाओं के लिए CCL (चाइल्ड केयर लीव) में ढील और आर्थिक सहायता, 'आधी आबादी' के प्रति सरकार की संवेदनशीलता को दर्शाती है।

AI और डेटा लैब : अजमेर, भरतपुर और कोटा जैसे शहरों को 'टेक हब' में बदलना एक दूरदर्शी कदम है। युवाओं को जापानी, फ्रेंच और जर्मन जैसी भाषाओं का प्रशिक्षण देना यह संकेत है कि राजस्थान का युवा अब केवल स्थानीय नहीं, बल्कि वैश्विक बाजार के लिए तैयार किया जा रहा है।10वीं-12वीं के मेधावी छात्रों को लैपटॉप ई-वाउचर देना 'डिजिटल डिवाइड' को कम करने की एक ठोस पहल है। 4 लाख सरकारी नौकरियों का वादा सुनने में आकर्षक है, लेकिन बजट का असली 'मास्टरस्ट्रोक' 10 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण है। यह 'जॉब सीकर' (नौकरी मांगने वाले) को 'जॉब क्रिएटर' (नौकरी देने वाले) में बदलने की दिशा में एक बड़ा निवेश है। कुल मिलाकर, यह बजट 'सक्षम नारी, सशक्त युवा' के मंत्र पर टिका है। हालांकि, विपक्ष इसे 'चुनावी लुभाव' कह सकता है, लेकिन नीतियों के स्तर पर यह बजट आधुनिकता और परंपरा का एक अनूठा संगम है। असली परीक्षा इन योजनाओं के 'धरातल' पर उतरने की होगी। क्या प्रशासनिक मशीनरी इन ई-वाउचर्स और ऋणों को पारदर्शी तरीके से अंतिम व्यक्ति तक पहुँचा पाएगी? यदि हाँ, तो राजस्थान 2047 के अपने विजन की ओर एक लंबी छलांग लगा चुका है।

- राखी सिंह, कार्यकारी संपादक

विचार-1

सत्ता, कॉरपोरेट और गीता प्रबंधन!

गीता का प्रबंधन 'लोकसंग्रह' की बात करता है। समाज को साथ लेकर चलने की बात करता है लेकिन आज का शासन और कॉरपोरेट मॉडल समाज को हिस्सेदार नहीं मानता, सहनशील दर्शक मानकर चल रहा है। समाज पर्यावरण, श्रम और उपभोक्ता ये सभी निर्णयों के बाद याद किए जाते हैं, पहले नहीं।

■ **महंत दीपक वल्लभ गोस्वामी**

देश को प्रतिदिन ये बताया जा रहा है कि विकास तेज़ है, अर्थव्यवस्था सशक्त है, निवेश बढ़ रहा है,

कॉरपोरेट लाभ ऐतिहासिक ऊँचाई पर हैं परंतु प्रश्न आँकड़ों की सत्यता का नहीं है प्रश्न उस विकास की आत्मा का है ! जो हमें दिखाई नहीं दे रहा है।

क्या यह विकास समाज को सशक्त कर रहा है या ये सत्ता और कॉरपोरेट के बीच बढ़ते सामंजस्य का परिणाम है। जहाँ नीति और लाभ एक-दूसरे के पूरक बन गए हैं!

आज लोकतंत्र के तीन महत्वपूर्ण स्तंभ, नीति, बाजार और समाज समान दूरी पर खड़े नहीं दिखते। चुनावी रणनीति और तिमाही लाभ रिपोर्टें कई बार नीति-निर्माण से ऊपर दिखाई देती हैं। यह प्रवृत्ति केवल आर्थिक प्रश्न नहीं, बल्कि नैतिक प्रश्न है। और इसी बिंदु पर भगवद्गीता का प्रबंधन दर्शन अत्यंत प्रासंगिक हो उठता है।

गीता का प्रबंधन सूत्र कहता है

'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।' अध्याय 2, श्लोक 47

अर्थात मनुष्य का अधिकार कर्म पर है, फल पर नहीं।

यह श्लोक निष्क्रियता का समर्थन नहीं करता, बल्कि प्रक्रिया की पवित्रता पर बल देता है। आज की व्यवस्था में फल-प्राप्ति की अधीरता इतनी तीव्र हो चुकी है कि प्रक्रिया, पारदर्शिता और नैतिकता को 'धीमी गति' का दोषी मान लिया गया है। नीतियाँ त्वरित बनती हैं, योजनाएँ शीघ्र घोषित हो जाती हैं, पर ज़मीनी संतुलन और सामाजिक संवाद पीछे छूट जाते हैं।

कॉरपोरेट जगत में भी यही प्रवृत्ति दिखाई देती है शेयर मूल्य बढ़ाना प्राथमिक लक्ष्य बन जाता है, जबकि कर्मचारी सुरक्षा,पर्यावरण

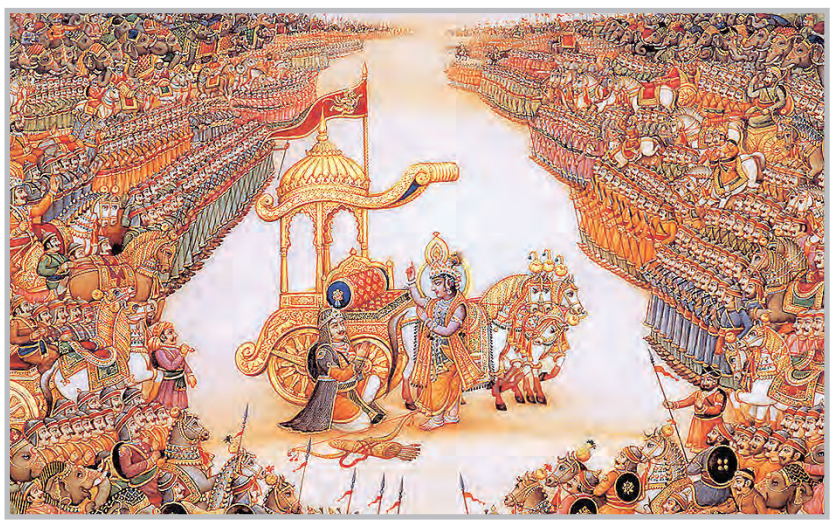

संतुलन और दीर्घकालिक सामाजिक उत्तरदायित्व दूसरे स्थान पर हैं। ये वही स्थिति है जहाँ गीता चेतावनी देती है:

'यज्ञार्थात्कर्मणोऽन्यत्र लोकोऽयं कर्मबन्धनः।' अध्याय 3, श्लोक 9

जब कर्म लोकहित (यज्ञभाव) के लिए नहीं होते, तब वही कर्म बंधन का कारण बनते हैं।

यदि विकास 'लोकसंग्रह' की भावना से न हो, तो वह असंतोष, अविश्वास और असमानता का बीज बोता है। समाज को सहभागी बनाए बिना किया गया विकास सामाजिक दूरी को बढ़ाता है।

गीता नेतृत्व की भूमिका भी स्पष्ट करती है:

'यद्यदाचरति श्रेष्ठस्तत्तदेवेतरो जनः।' अध्याय 3, श्लोक 21

श्रेष्ठ व्यक्ति जैसा आचरण करता है, समाज उसका ही अनुसरण करता है।

आज जब शीर्ष स्तर पर नियमों की व्याख्या सुविधा के अनुसार होने लगे, जब उत्तरदायित्व की जगह प्रभावशाली संबंध ले लें, तो नीचे की पूरी प्रशासनिक और व्यावसायिक संरचना उसी दिशा में झुकने लगती है। तब घोटाले अपवाद नहीं रहते वे प्रणाली की स्वाभाविक परिणति बन जाते हैं।

श्री कृष्ण स्वयं नेतृत्व की परिभाषा देते हैं और कहते हैं :

'न मे पार्थास्ति कर्तव्यं त्रिषु लोकेषु किञ्चन।

नानवाप्तमवाप्तव्यं वर्त एव च कर्मणि॥' अध्याय 3, श्लोक 22

मुझे कुछ प्राप्त करना शेष नहीं, फिर भी मैं कर्म करता हूँ क्योंकि नेतृत्व अधिकार का नहीं, उदाहरण का विषय है।

यहाँ पर गीता गहरी चेतावनी देती है :

'काम एष क्रोध एष रजोगुणसमुद्भवः।' अध्याय 3, श्लोक 37

अर्थात अनियंत्रित इच्छा और क्रोध ही पतन का कारण बनते हैं।

जब नीतियाँ लोभ से संचालित हो और निर्णय भय से, तब न शासन स्थिर रहता है न बाजार विश्वसनीय। आर्थिक शक्ति यदि नैतिक अनुशासन से न बंधी हो, तो वह सामाजिक असंतुलन का कारण बनती है।

गीता का अत्यंत महत्वपूर्ण प्रबंधन सिद्धांत आत्मनियंत्रण है :

'उद्धरेदात्मनाऽत्मानं नात्मानमवसादयेत्।

आत्मैव ह्यात्मनो बन्धुरात्मैव रिपुरात्मनः॥' अध्याय 6, श्लोक 5

मनुष्य स्वयं अपना मित्र और शत्रु है।

उसी प्रकार राष्ट्र भी ऐसा ही है वह अपने नितिगत निर्णयों से उठता है और उन्हीं से गिरता है।

आज आवश्यकता विकास के दावों की नहीं, विकास के चरित्र की समीक्षा की है। क्या हमारा प्रबंधन लोकहित पर केन्द्रित है? क्या हमारी नीति पारदर्शी है? क्या कॉरपोरेट उत्तरदायित्व केवल औपचारिकता है या वास्तविक सहभागिता?

भगवद्गीता कोई धार्मिक पुस्तक नहीं ये नेतृत्व, शासन और प्रबंधन की नैतिक रूपरेखा है। ये बताती है कि विकास तभी स्थायी है जब वह 'लोकसंग्रह' और 'जनहित' पर आधारित हो। कर्म फल की इच्छा से मुक्त होकर 'कर्तव्य' के भाव से कार्य किया जाए ।

भारत को विकास चाहिए पर ऐसा विकास जो समाज को साथ लेकर चले, जो शक्ति के केंद्रीकरण के बजाय विश्वास का विस्तार करे।

अब प्रश्न सत्ता या कॉरपोरेट से पहले समाज के सामने ये है की

हम लाभ केन्द्रित मॉडल को स्वीकार करेंगे या गीता के 'लोकसंग्रह' और 'लोकहित' पर आधारित प्रबंधन को?

निर्णय हमें करना है क्योंकि राष्ट्र भी आम नागरिकों के निर्णयों से निर्मित होता है।

(लेखक श्रीमदभगवत गीता के जानकार हैं)

विचार-2

तालियों के शोर में कविता गुम हो गई, कवि मिल गया!

वास्तव में, साहित्य का भविष्य इसी उम्मीद में सुरक्षित है कि एक दिन यह शोर थमेगा और शब्द फिर से अपने असली अर्थ में बोलेंगे। क्योंकि साहित्य का उद्देश्य प्रसिद्ध होना नहीं, बल्कि प्रामाणिक होना है। और जब कविता फिर से मनुष्य की आत्मा से संवाद करेगी, तभी वह अपनी खोई हुई गरिमा वापस पा सकेगी।

■ **सर्वेश भट्ट**

आज का साहित्य अपने सबसे अजीब दौर से गुजर रहा है। मंच सजे हैं, माइक चमक रहे हैं, कैमरे चल रहे हैं और सोशल मीडिया पर कविताओं की बाढ़ आई हुई है। इसके बावजूद कविता कहीं खोती-सी महसूस होती है। ऐसा लगता है जैसे शब्दों से ज़्यादा शोर बिक रहा है और संवेदना से ज़्यादा दृश्य।

पहले कविता आत्मा की आवाज़ होती थी। कवि अपने भीतर उतरकर शब्द चुनता था, भाव गढ़ता था और समाज से संवाद करता था। आज कविता मंचीय प्रस्तुति बनती जा रही है।

अब रचना से पहले यह तय होता है कि पंक्ति पर कितनी ताली बजेगी और कौन-सी पंक्ति वीडियो क्लिप बन सकती है। कविता अब मन को छूने से पहले मोबाइल स्क्रीन पर उतरती है।

साहित्यिक आयोजनों में रचना से अधिक नाम महत्त्वपूर्ण हो गया है। जिनके पास पहचान है, वे बार-बार बुलाए जाते हैं। जिनके पास सिफ़ारिश है, वे पुरस्कार पाते हैं। गंभीर साहित्यकार अक्सर दर्शक दीर्घा में बैठा दिखता है और औसत रचनाएँ मंच पर छाई रहती हैं। इससे नई पीढ़ी में यह संदेश जाता है कि अच्छी कविता लिखने से ज़्यादा ज़रूरी है, खुद को अच्छे से प्रस्तुत करना। सोशल मीडिया ने साहित्य को व्यापक पहुँच दी है, लेकिन इसके साथ ही उसे तात्कालिकता का आदी भी बना दिया

है। आज दो पंक्तियाँ लिखो, नीचे हैशटैग लगा दो और उम्मीद करो कि रातों-रात पहचान मिल जाएगी। 'लाइक' और 'शेयर' अब रचना की गुणवत्ता के पैमाने बनते जा रहे हैं। कविता पढ़ी नहीं जाती, स्क्रॉल की जाती है। विचार मन में उतरते नहीं, बस आँखों के सामने से गुजर जाते हैं।

कवि सम्मेलन भी इस बदलाव से अछूते नहीं रहे। अब कविता कम और करतब ज़्यादा दिखाई देता है। भावुक पंक्तियों की जगह चुटीले पंचलाइन ने ले ली है। ताली न मिले तो कवि बेचैन हो जाता है और श्रोता गंभीर कविता से जल्दी ऊब जाता है। धीरे-धीरे कविता मनोरंजन का साधन बनती जा रही है, जबकि उसका मूल उद्देश्य आत्मसंवाद और सामाजिक चेतना है।

फिर भी, इस पूरे शोरगुल के बीच राहत की बात यह है कि साहित्य की मूल धारा अब भी बह रही है। आज भी कुछ रचनाकार हैं, जो बिना प्रचार, बिना मंच और बिना पुरस्कार की चाह के लिख रहे हैं। उनकी कविता देर से पहुँचती है, लेकिन जब पहुँचती है तो गहरी छाप छोड़ती है। यही वे स्वर हैं, जो साहित्य को जीवित रखते हैं।

आज के इस हालात पर एक पंक्ति पूरी सच्चाई बयान कर देती है :-

तालियों के शोर में कविता गुम हो गई,
कवि मिल गया!
माइक ऑन है, कवि तैयार है,
बस कविता ढूँढ रहे हैं।

शब्द नहीं तौले जाते साहब, तालियाँ गिनी जाती हैं। पर शोर थक जाएगा एक दिन, माइक चुप हो जाएगा, तब वही कविता बचेगी जो बिना बुलाए याद आ जाएगी।

वास्तव में, साहित्य का भविष्य इसी उम्मीद में सुरक्षित है कि एक दिन यह शोर थमेगा और शब्द फिर से अपने असली अर्थ में बोलेंगे। क्योंकि साहित्य का उद्देश्य प्रसिद्ध होना नहीं, बल्कि प्रामाणिक होना है। और जब कविता फिर से मनुष्य की आत्मा से संवाद करेगी, तभी वह अपनी खोई हुई गरिमा वापस पा सकेगी।

(वरिष्ठ पत्रकार एवं कला समीक्षक)

भारत मंडपम में सिनेमा, संस्कृति और वैश्विक संवाद का अनूठा संगम

दिल्ली, (एजेंसी)। 13 फरवरी से दिल्ली के भारत मंडपम में सिनेमा, संस्कृति और वैश्विक संवाद का भव्य संगम देखने को मिला। देश-विदेश के फिल्मकारों, कलाकारों और प्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को अंतरराष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया।

इस बहुप्रतीक्षित महोत्सव का समापन रविवार को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में गरिमामय समारोह के साथ हुआ। JIFF NDFF GCC ने अपने विविध सत्रों, चर्चाओं, फिल्म प्रदर्शनों और सम्मान समारोहों के माध्यम से भारतीय और वैश्विक सिनेमा के बीच एक सशक्त सेतु का निर्माण किया।

अवसर था जयपुर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ट्रस्ट द्वारा आयोजित 18वें जयपुर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (JIFF) 2026, 9वें न्यू दिल्ली फिल्म फेस्टिवल (NDFF) 2026, JIFF-NDFF ग्लोबल सिने कॉन्फ्लुएंस (GCC) तथा दिल्ली फिल्म कन्वेंशन एंड समिट 2026 के रेड कार्पेट उद्घाटन समारोह का 40 से अधिक देशों से पहुँचे निर्माता, निर्देशक, अभिनेता और अभिनेत्रियों की मौजूदगी से भारत मंडपम उत्सवमय माहौल से सराबोर हो उठा।

इस संयुक्त आयोजन का उद्घाटन 21 देशों के अंतरराष्ट्रीय फिल्मकारों ने मिलकर एकसाथ मिलकर किया। उद्घाटन में शामिल प्रमुख अंतरराष्ट्रीय फिल्मकारों में जैनब मलिक (पाकिस्तान), मनु सोब्राल (ब्राज़ील), केंजी सोनोडा एवं हार-को (जापान), रोसेला डी वेनूटो (इटली), कैरोलिन तबाह (कनाडा), इराती डोजुरा लांडा यागरि (कोलंबिया), स्टैनली सोह (सिंगापुर), अलीरेज़ा नूरी (ईरान), हसन नज़र (यूनाइटेड किंगडम), एना पैट्रिशिया एंगुलो एवं पाको कास्टिलो (पनामा), एलिसन डी. ब्राउन (लाइबेरिया) सहित फ्रांस, यूके, जापान, अमेरिका, बुल्गारिया, ट्यूनीशिया, जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया के प्रतिष्ठित फिल्मकार शामिल रहे।

राजस्थानी संस्कृति रही विशेष आकर्षण : उद्घाटन समारोह के दौरान प्रस्तुत राजस्थानी सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने अतिथियों और डेलीगेट्स को भारतीय और विशेष रूप से

राजस्थान की समृद्ध लोक-संस्कृति से रूबरू कराया। स्वागत गीत और भवई नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और समारोह को यादगार बना दिया। उद्घाटन समारोह के दौरान JIFF-NDFF-GCC के संस्थापक हनु रोज ने एक दूरदर्शी पहल के तहत भारत में तीन अंतरराष्ट्रीय संगठनों के ग्लोबल मुख्यालय स्थापित करने की घोषणा की।

विधानसभा परिसर बना 'नेचर हब' : 70 किस्मों के फूलों से महकी मरुधरा की विधानसभा

स्पीकर वासुदेव देवनानी ने कर्मियों को दी बधाई, कहा- यह पर्यावरण संरक्षण की जीत

जयपुर (विधानसभा संवाददाता)। राजस्थान विधानसभा ने अपनी खूबसूरती और हरियाली के लिए एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। विधानसभा परिसर स्थित उद्यान को अपनी भव्यता के लिए प्रतिष्ठित 'बेस्ट एग्जीबिटर ऑफ दी शो शील्ड' से नवाजा गया है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शनिवार को उद्यान कर्मियों से मुलाकात कर उन्हें हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं।

लोकतंत्र के साथ प्राकृतिक सौंदर्य का संगम : स्पीकर देवनानी ने उद्यान कर्मियों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह सम्मान उनकी कड़ी मेहनत, सौंदर्यबोध और पर्यावरण के प्रति समर्पण का परिणाम है।

उन्होंने कहा, 'विधानसभा परिसर केवल लोकतांत्रिक विमर्श का केंद्र ही नहीं, बल्कि अब हरियाली और प्राकृतिक सौंदर्य का भी

एक अनुपम उदाहरण बन गया है। इस हरियाली से यहाँ आने वाले आगंतुकों और जनप्रतिनिधियों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।'

70 किस्मों के फूलों से लहलहा रहा परिसर : उद्यान विभाग के नवाचारों के चलते वर्तमान में विधानसभा उद्यान में लगभग 70 किस्मों के पुष्पीय पौधे खिले हुए हैं। इनमें कई दुर्लभ और मौसमी फूलों की प्रजातियां शामिल हैं, जो परिसर के वातावरण को दर्शनीय और सुगंधित बना रही हैं।

इस अवसर पर देवनानी ने कहा कि विधानसभा को स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल बनाए रखने के लिए किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं। उन्होंने भविष्य में भी इसी लगन और नवाचार के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

सम्मान समारोह में ये रहे मौजूद : विधानसभा में आयोजित इस औपचारिक बधाई कार्यक्रम के दौरान कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। रफीक खान: प्रतिपक्ष के मुख्य सचेतक, भारत भूषण शर्मा, प्रमुख सचिव, विधानसभा सचिवालय, विक्रम सिंह शेखावत, मार्शल, सुरेश चौधरी: उद्यान निरीक्षक (जिनके नेतृत्व में टीम ने यह उपलब्धि हासिल की)

जोधपुर पहुंची 'ओरण बचाओ पदयात्रा': बालेसर में जमीन पर सोकर गुजारी रात, संघर्ष को भाटी ने दी नई धार

ओरण बचाने के लिए सड़क पर सोए विधायक रविंद्र भाटी, बोले-यह संघर्ष सत्ता की आंखों में आंखें डालने का है

जोधपुर (विशेष संवाददाता)। राजस्थान की रेतीली धरती पर अपनी विरासत और पर्यावरण को बचाने के लिए शुरू हुआ 'ओरण बचाओ' आंदोलन अब एक जन-आंदोलन का रूप ले चुका है। जैसलमेर के तनोट माता मंदिर से शुरू हुई यह पदयात्रा अब मारवाड़ के हृदय क्षेत्र जोधपुर पहुंच चुकी है। गुरुवार रात बाड़मेर के शिव से निर्दलीय विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने इस यात्रा में शामिल होकर आंदोलन को नई ऊर्जा दी। भाटी ने पूरी रात बालेसर के चामुंडा माता मंदिर में पदयात्रियों के साथ जमीन पर सोकर गुजारी।

विधायक ने कंधे पर उठाया पर्यावरण का 'मान' : बालेसर में यात्रा के दौरान एक भावुक दृश्य देखने को मिला, जब विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने पर्यावरण प्रेमी और आंदोलन के प्रणेता सुमेर सिंह को अपने कंधों पर बैठा लिया। भाटी उन्हें करीब 1 किलोमीटर तक इसी तरह लेकर चले। यह युवाओं के लिए एक सांकेतिक संदेश था कि उन्हें अपनी विरासत

(ओरण) और बुजुर्गों के सम्मान का भार अपने कंधों पर उठाना होगा। पदयात्रियों को संबोधित करते हुए रविंद्र भाटी ने बेबाकी से कहा, 'मैं न बीजेपी का हूं, न कांग्रेस का। मुझे जो कुछ मिला है, जनता ने दिया है। सच बोलने के लिए सत्ता की आंखों में आंखें डालकर बात करनी पड़ती है। 32 दिनों तक घर-बार छोड़कर सड़कों पर बैठना कोई मामूली बात नहीं है; यह संघर्ष हमारी लुप्त होती संस्कृति और पर्यावरण को बचाने के लिए है।' राजस्थान के ग्रामीण जीवन में 'ओरण' केवल जमीन का टुकड़ा नहीं, बल्कि एक पारंपरिक संरक्षित वनक्षेत्र है। आंदोलनकारियों का आरोप है कि औद्योगिक परियोजनाओं के नाम पर इन जमीनों का अस्तित्व खतरे में है। यहाँ पशुओं के लिए सदियों से चारागाह उपलब्ध रहता है। प्राकृतिक जल स्रोत (आगौर) सुरक्षित रखे जाते हैं। लोगों की आस्था देवी-देवताओं के नाम पर यहाँ पेड़ों को काटना वर्जित है।

सुमेर सिंह और भोपाल सिंह के नेतृत्व में यह 725 किलोमीटर लंबी यात्रा जयपुर तक जाएगी। इस यात्रा में केवल युवा ही नहीं, बल्कि 10 साल के बच्चों से लेकर 75 साल के बुजुर्ग भी शामिल हैं। कल्याण सिंह जैसे बुजुर्ग अब तक 350 किलोमीटर का सफर तय कर चुके हैं। रविंद्र सिंह भाटी के जुड़ने से यह आंदोलन अब प्रदेश स्तर पर चर्चा का विषय बन गया है और सरकार पर दबाव बढ़ता दिख रहा है।

सोलर लोन पर बड़ी राहत

अब सिर्फ 6% ब्याज पर मिलेगा ऋण, डिस्कॉम्स ने बैंकों को चेताया 'कागजों में न अटकाएं फाइल'

पीएम सूर्य घर योजना : राजस्थान में सोलर रफ्तार दोगुनी करने का लक्ष्य, गारंटर और पट्टे की अनिवार्यता पर लगेगी रोक

जयपुर (विशेष संवाददाता)। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत घरों की छतों पर सोलर पैनल लगवाने के इच्छुक उपभोक्ताओं के लिए बड़ी खुशखबरी है। राजस्थान डिस्कॉम्स ने सोलर इंस्टॉलेशन की वर्तमान रफ्तार को इस साल दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। शुक्रवार को डिस्कॉम्स की चेयरमैन आरती डोगरा ने बैंक अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की, जिसमें लोन प्रक्रिया में आने वाली बाधाओं को दूर करने के सख्त निर्देश दिए गए।

बैंकों को फटकार : 'भारत सरकार के नियमों का करें पालन' उपभोक्ताओं द्वारा लोन अटकाने की शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए चेयरमैन ने बैंकर्स को दो टूक निर्देश दिए कि बैंक गारंटर चेक, पट्टा या अन्य जटिल दस्तावेजों के नाम पर आवेदनों को रिजेक्ट नहीं कर सकेंगे।

निचले स्तर तक पालना: भारत सरकार के दिशा-निर्देशों की पालना बैंक की हर शाखा में सुनिश्चित की जाए।

कलेक्टर करेंगे निगरानी: जिला कलेक्टरों की बैठकों में भी अब लोन प्रक्रिया की सुलभता मुख्य एजेंडा रहेगी। बैठक में सोलर लोन से जुड़े आंकड़ों और फायदों को भी साझा किया गया।

किफायती दर: वर्तमान में प्रोजेक्ट लागत पर मात्र 6% की दर से ब्याज लिया जा रहा है।

अधिकतम लोन: सोलर प्लांट की कुल लागत का 90% तक हिस्सा बैंक फाइनेंस कर रहे हैं।

बैंकों की पसंद: प्रदेश में सबसे ज्यादा एसबीआई (47%) से लोग लोन ले रहे हैं। इसके बाद पीएनबी (12%), बैंक ऑफ बड़ौदा (11%) और राजस्थान ग्रामीण बैंक (8%) का स्थान है। पोर्टल पर कुल 30 बैंक ऋण देने के लिए सूचीबद्ध हैं।

सौर ऊर्जा अपनाने में राजस्थान देश का 5वां अग्रणी राज्य

चेयरमैन ने बताया कि सौर ऊर्जा अपनाने में राजस्थान देश का 5वां अग्रणी राज्य बन गया है। प्रदेश में अब तक 1 लाख 42 हजार से अधिक रूफ टॉप सोलर प्लांट लगाए जा चुके हैं। वर्तमान में हर महीने औसतन 14,000 घर सोलर से रोशन हो रहे हैं, जिसे अब बढ़ाकर 28,000 प्रति माह करने का लक्ष्य तय किया गया है।

प्रदेश में 46,000 करोड़ के निवेश को हरी झंडी 12 हजार युवाओं को मिलेगा रोजगार

निवेश का 'महाकुंभ' : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में बीओआई की छठी बैठक संपन्न, 10 अल्ट्रा मेगा प्रोजेक्ट्स के लिए विशेष पैकेज मंजूर

जयपुर (विशेष संवाददाता)। राजस्थान को औद्योगिक हब बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को एक बड़ी छलांग लगाई है। मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित बोर्ड ऑफ इन्वेस्टमेंट की छठी बैठक में प्रदेश के विकास के लिए 46,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को अंतिम मंजूरी दे दी गई। सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों की 10 अल्ट्रा मेगा परियोजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए विशेष 'कस्टमाइज्ड पैकेज' को भी हरी झंडी दिखाई है।

मुख्यमंत्री ने जिन प्रस्तावों को स्वीकृति दी है, वे भविष्य के उभरते हुए सेक्टर्स से जुड़े हैं। निवेश का मुख्य फोकस ऊर्जा क्षेत्र : सोलर मॉड्यूल, सेल मैन्यूफेक्चरिंग और नवीकरणीय ऊर्जा। ऑटोमोबाइल, सीमेंट और केमिकल सेक्टर। माइंस, मिनरल्स, टेक्सटाइल और पर्यटन। रोजगार और अर्थव्यवस्था पर सीधा असर इस भारी-भरकम निवेश से प्रदेश की आर्थिक स्थिति मजबूत होने के साथ-साथ सामाजिक सुधार भी होगा। स्वीकृत परियोजनाओं से 12 हजार

से अधिक युवाओं को सीधे रोजगार मिलने की उम्मीद है। 'एक जिला-एक उत्पाद' योजना को बढ़ावा देकर स्थानीय कारीगरों को वैश्विक मंच मिलेगा। साथ ही हस्तशिल्प को बढ़ावा ने के लिए धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर स्थानीय हस्तशिल्प की बिक्री के लिए विशेष स्थान चिन्हित किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने सख्त लहजे में कहा कि 'सिर्फ एमओयू नहीं, परिणाम चाहिए' बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट लहजे में कहा कि निवेश केवल कागजों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। 'हमारी प्राथमिकता केवल राजस्व बढ़ाना नहीं, बल्कि प्रदेश के अंतिम व्यक्ति तक रोजगार पहुँचाना है। 'राइजिंग राजस्थान' समिट के तहत हुए हर समझौते की जिलेवार निगरानी की जाए और निवेशकों को किसी भी प्रकार की बाधा न आए। बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास और अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल सहित बीआईपी के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

ऑनस्क्रीन मार्किंग सिस्टम होगा लागू

सीबीएसई 12वीं बोर्ड में क्रांतिकारी बदलाव अब कंप्यूटर पर जांची जाएंगी कॉपियां

स्कूलों को मूल्यांकन में भागीदारी न करने पर मिली सख्त चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं की मूल्यांकन प्रक्रिया को पूरी तरह हाई-टेक बनाने का निर्णय लिया है। इस साल से 'ऑनस्क्रीन मार्किंग सिस्टम' की शुरुआत की जा रही है, जिससे न केवल कॉपियों की जांच अधिक सटीक होगी, बल्कि रिजल्ट में होने वाली देरी और अंकों की गणना में होने वाली गलतियों पर भी लगाम लगेगी। परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने स्पष्ट किया कि तकनीक के समावेश से मूल्यांकन प्रक्रिया पारदर्शी और त्रुटिहीन बनेगी।

क्या है ऑनस्क्रीन मार्किंग? अब पेन नहीं, कर्सर चलेगा

अब तक शिक्षक फिजिकल कॉपियों पर लाल पेन से अंक देते थे, लेकिन अब प्रक्रिया पूरी

तरह डिजिटल होगी। छात्रों की उत्तर पुस्तिकाओं के लिखे हुए पेजों के साथ-साथ खाली पेज भी स्कैन कर सेंट्रल सर्वर पर अपलोड किए जाएंगे। परीक्षक कंप्यूटर स्क्रीन पर कॉपियां जांचेंगे। यदि शिक्षक ने कोई पेज बिना मार्क किए छोड़ दिया, तो सॉफ्टवेयर उसे सबमिट नहीं करने देगा। खाली पेज पर 'खाली पेज' और न किए गए सवालों पर 'एन' लिखना अनिवार्य होगा।

बोर्ड ने उन छात्रों के लिए एक बड़ा और छात्र-हितैषी फैसला लिया है जो अक्सर 'अथवा' वाले दोनों सवाल हल कर देते हैं। अक्सर ऐसे मामलों में पहले उत्तर को जांचा जाता था और दूसरे को काट दिया जाता था। अब शिक्षक दोनों उत्तरों को जांचेंगे। जिस उत्तर में ज्यादा अंक होंगे, फाइनल स्कोर में उसी को जोड़ा जाएगा। इसे 'बेस्ट ऑफ टू' का लाभ कहा जा रहा है।

परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने बताया कि सीबीएसई ने मूल्यांकन प्रक्रिया में स्कूलों की लापरवाही पर कड़ा रुख अपनाया है। यदि कोई स्कूल अपने शिक्षकों को कॉपी चेकिंग के लिए नहीं भेजता है, तो उस स्कूल के छात्रों का परिणाम रोक दिया जाएगा। प्रति छात्र के अनुपात में कॉपियां जांचने की जिम्मेदारी अब स्कूलों को सामूहिक रूप से उठानी होगी। मूल्यांकन की गोपनीयता बनाए रखने के लिए यह स्पष्ट किया गया है कि शिक्षक घर बैठकर कॉपियां नहीं जांच सकेंगे। कॉपियां केवल स्कूल परिसर में, बोर्ड द्वारा रजिस्टर्ड आईपी एड्रेस वाले कंप्यूटर्स पर ही जांची जा सकेंगी।

जूनियर वकीलों के लिए हाईकोर्ट का बड़ा फैसला | 28 वर्ष तक की उम्र और 5 साल से कम अनुभव वाले वकीलों को मिलेगी एकमुश्त सहायता

किताबें खरीदने को मिलेंगे 5000 रु. 'फर्स्ट कम-फर्स्ट सर्व' से होगा चयन

जयपुर (विशेष संवाददाता)। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश के संघर्षरत युवा वकीलों के कंधों से आर्थिक बोझ कम करने के लिए एक ऐतिहासिक और संवेदनशील निर्णय लिया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि वकालत की शुरुआत में संसाधनों की कमी किसी भी प्रतिभावान युवा के आड़े नहीं आनी चाहिए। जस्टिस अनूप ढंड ने आदेश जारी करते हुए कहा कि बार एसोसिएशनों को नए वकीलों को कानून की किताबें खरीदने के लिए 5,000 की एकमुश्त वित्तीय सहायता प्रदान करनी होगी।

'राजस्थान एडवोकेट्स एड टू परचेज लॉ बुक्स स्कीम'अदालत ने एक मोटर दुर्घटना अपील पर सुनवाई के दौरान इस योजना की रूपरेखा तय की। इसे 'राजस्थान एडवोकेट्स एड टू परचेज लॉ बुक्स स्कीम' नाम दिया गया है। पात्रता: योजना का लाभ उन वकीलों को मिलेगा जिनकी आयु 28 वर्ष तक है और जिनका वकालत का अनुभव 5 वर्ष से कम है।चयन प्रक्रिया: यह सहायता 'पहले आओ-पहले पाओ' के आधार पर दी जाएगी। इसके के लिए प्रत्येक जिले में एक 'खरीद समिति' बनाई जाएगी, जो इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी करेगी। .यदि राशि दुरुपयोग किया तो 12% ब्याज के साथ वसूली जाएगी। हाईकोर्ट ने जहां सहायता का हाथ बढ़ाया है, वहीं पारदर्शिता के लिए कड़े नियम भी लागू किए हैं।

बिल अनिवार्य : सहायता राशि मिलने के एक महीने के भीतर वकील को खरीदी गई किताबों के पक्के बिल समिति को सौंपने होंगे। यदि वकील किताबें नहीं खरीदता है, तो उसे पूरी राशि लौटानी होगी। यदि राशि का उपयोग किसी अन्य कार्य के लिए किया गया, तो 12 फीसदी ब्याज के साथ वसूली की जाएगी। प्राधिकारियों को यह अधिकार होगा कि वे संबंधित वकील की लाइब्रेरी का भौतिक निरीक्षण कर सकें।

अदालत की भावुक टिप्पणी : 'पहली पीढ़ी के वकीलों को सहारा जरूरी' फैसला सुनाते समय जस्टिस अनूप ढंड ने उभरते वकीलों के संघर्ष को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि 'पहली पीढ़ी के वकीलों के पास अक्सर जरूरी संसाधन और फंड नहीं होते। वे अदालतों में लंबी प्रतीक्षा करते हैं और सीनियर्स की मदद करते हैं, लेकिन उनके संघर्ष को अनदेखा कर दिया जाता है। शुरुआत में मिला यह छोटा सा सहयोग उन्हें एक कुशल और ईमानदार पेशेवर बनाने में मदद करेगा।

कहां से आएगा पैसा?

कोर्ट ने देरी से अपील दायर करने वाले पक्षकारों पर 11,000 रुपए का हर्जाना लगाया है। इस राशि को 'जूनियर एडवोकेट्स वेलफेयर फंड' नामक एक विशेष बैंक खाते में जमा किया जाएगा, जिससे युवा वकीलों की मदद की जाएगी। राजस्थान हाईकोर्ट ने बार एसोसिएशनों से इस आदेश की पालना रिपोर्ट 6 मार्च तक तलब की है।

गोंद कतीरा गर्मियों में कैसे खाने से मिलेंगे फायदे

तेज गर्मी वाले दिनों में नाक से खून निकलने की समस्या यानी नकसीर फूट जाना आम है। मुझे याद है, बचपन में ऐसा होने पर मां मुझे एक गिलास रूह अफजा वाले गुलाबी पानी में या खस के हरे पानी में थोड़ा सा फालूदा जैसा कुछ मिलाकर देती थीं। नाक से खून निकलना कुछ ही देर में बंद हो जाता था। धीरे-धीरे इसे पीने की मेरी आदत बन गई थी। मां फालूदा जैसी जो सामग्री रूह आफजा में मिलाती थीं, वह सामग्री थी गोंद कतीरा। इसे गर्मियों का अमृत फल कहा जाता है। मई-जून की भीषण गर्मी में हम सब लोग अपनी डाइट में ठंडी तासीर वाले फल-सब्जी को शामिल करते हैं ताकि शरीर का गर्मी से बचाव हो सके। इस क्रम में खीरा, खरबूजा, तरबूज, लौकी आदि के साथ आप गोंद कतीरा को भी शामिल कर सकती हैं। यह पेड़ से निकलने वाला एक पीले रंग का चिपचिपा पदार्थ है, जिसको सुखाकर इस्तेमाल योग्य बनाया जाता है। यह अधिकांश पंसारी की दुकानों पर आसानी से उपलब्ध होता है। अधिकांश लोग गोंद कतीरा और गोंद को एक ही पदार्थ मानते हैं, जबकि ऐसा नहीं है।

आहार में ऐसे करें शामिल

1- पहला, गोंद कतीरे के एक या दो छोटे टुकड़े लेकर कांच के आधा गिलास पानी में रात भर भिगो देती हूं। यह फूलकर जेली की तरह हो जाता है। दूसरा इसका पाउडर बनाकर रख लेती हूं। दो टेबल स्पून लेकर उसको ठंडे या गर्म दूध में मिलाकर लेती हूं। चीनी की जगह मिश्री डालती हूं।
2- पानी में रूह अफजा या कोई दूसरा ड्रिंक डालकर उसमें थोड़ा सा फूला हुआ गोंद कतीरा मिलाकर उपयोग में लाती हूं।
3- दही के साथ चाहे नमकीन छाछ बनाएं या मीठी, उसमें थोड़ा-सा फूला हुआ गोंद कतीरा भी मिला दें।
4- खीर, पुंडग ,रबड़ी आदि बनाकर उसको बाउल में रखकर ऊपर से फूला हुआ गोंद कतीरा फैला दें। फ्रिज में ठंडा करके सर्व करें। खाने वाले तारीफ करते नहीं थकेंगे।
5- यदि रोज-रोज भिगोना समयाभाव के कारण मुश्किल हो तो ज्यादा गोंद कतीरा लेकर रात भर भिगोएं और सुबह फ्रिज में रख लें। चार-पांच दिन आराम से प्रयोग में लाएं।
6- एक चम्मच पाउडर लें और आधा गिलास पानी में 1 घंटे के लिए भिगो दें। जेली तैयार है।

गर्मियों में खाने के साथ सर्व करें अलग-अलग तरह की लस्सी

गर्मी के मौसम में आम को कई अलग-अलग तरीकों से लोग डाइट में शामिल करते हैं। आम की मदद से लस्सी भी बनाई जा सकती है। मैंगो लस्सी का क्रीमी टेक्सचर होता है। साथ ही, इसे दुनिया भर में पीना लोग काफी पसंद करते हैं। गर्मी का मौसम आते ही हमारा खान-पान भी बदल जाता है। इस मौसम में हम ऐसे फूड आइटम्स को शामिल करते हैं, जो ठंडक भी प्रदान करें और सेहत के लिए भी अच्छे हों। इस लिहाज से चिलचिलाती गर्मी में लस्सी पीना काफी अच्छा माना जाता है। यह बॉडी को हाइड्रेट करने में मदद करता है। साथ ही साथ, प्रोबायोटिक होने के कारण यह गट हेल्थ के लिए भी काफी अच्छा है। अमूमन हम सभी एक ही तरह से लस्सी बनाकर पीते हैं। लेकिन अगर आप अपने टेस्ट बड को हर बार एक अलग टेस्ट देना चाहते हैं तो ऐसे में आप अलग-अलग तरह की लस्सी बनाकर पीएं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको गर्मी के कई तरह की लस्सी बनाने के बारे में बता रहे हैं-

नारियल लस्सी

गर्मी के मौसम में आप नारियल लस्सी बना सकते हैं। इसके लिए आपको नारियल और दही को एक साथ ब्लेंड करना होगा। नारियल की लस्सी बनाने के लिए दही, नारियल दूध और थोड़ी सी चीनी या गुड़ को डालकर ब्लेंड करें। अब आप इस लस्सी को एक गिलास में डालें। आप इसके ऊपर सूखे मेवे डाल सकते हैं।

मैंगो लस्सी

गर्मी के मौसम में आम को कई अलग-अलग तरीकों से लोग डाइट में शामिल करते हैं। आम की मदद से लस्सी भी बनाई जा सकती है। मैंगो लस्सी का क्रीमी टेक्सचर होता है। साथ ही, इसे दुनिया भर में पीना लोग काफी पसंद करते हैं। जब दही को आम के साथ मिलाया जाता है, तो आपको एक बेमिसाल स्वाद मिलता है। मैंगो शेक के अलावा मैंगो लस्सी गर्मियों में सबसे ज्यादा पी जाती है।

पुदीना लस्सी

अगर आप अपनी लस्सी को एक बेहद ही रिफ्रेशिंग टेस्ट देना चाहते हैं तो ऐसे में पुदीना लस्सी भी बनाई जा सकती है। इसे बनाने के लिए दही को पुदीने की पत्तियों और गुड़ के साथ मिला लें। आप इस लस्सी के ऊपर ताज़ी पुदीने की पत्तियां और सूखे मेवे डालें। यह पीने में लाजवाब होती है।

रोज लस्सी

गर्मी के मौसम में रोज़ लस्सी आपके टेस्ट बड के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है। लस्सी की इस क्लासिक रेसिपी को बनाने के लिए आप रोज़ सिरप या एसेंस का इस्तेमाल कर सकते हैं। दही के साथ गुलाब का कॉम्बिनेशन बेहद ही अच्छा लगता है। आप रोज़ लस्सी को सर्व करने से पहले ताज़ी गुलाब की पंखुड़ियों से सजाएं।

तलवे में होती है जलन की शिकायत तो हो सकते हैं ये कारण जिम्मेदार

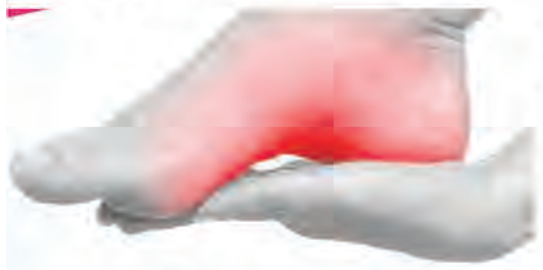

पैर के तलवों में बहुत सारे लोगों को जलन की शिकायत रहती है। जिसके लिए कई कारण जिम्मेदार हो सकते हैं। जानें वो कौन से कारण हैं जिनकी वजह से तलवों में जलन होती है। पैरों में जलन कई बार परेशान कर देता है। पैर के तलवों में गर्माहट महसूस होना, सुन्नपन, झुनझुनी सी महसूस होती है। खासतौर पर ये समस्या रात में बढ़ जाती है। ऐसे में तलवों में होने वाली इन समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए पहले कारण जानना जरूरी है। जिससे कि तलवों में होने वाली जलन से स्थायी समाधान खोजा जा सके।

डायबिटीक न्यूरोपैथी

ब्लड शुगर अगर लंबे समय तक कंट्रोल में नही है तो इससे ब्लड वेसल्स डैमेज हो जाती हैं। जिसकी वजह से उसे सिग्नल मिलना बंद हो जाता है और झनझनाहट महसूस होती है।

विटामिन बी की कमी

पैरों में जलन के लिए पोषक तत्वों की कमी भी होती है। आजकल ज्यादातर लोग विटामिन बी 12, विटामिन बी 6, विटामिन बी 9 यानी फोलेट की कमी से जूझ रहे हैं। इन विटामिन की कमी तलवों में जलन पैदा करती है। जो कि पैर और मसल्स में तालमेल की कमी को पैदा करती है।

एनीमिया

शरीर में रेड ब्लड सेल्स की कमी एनिमिया बनाती है जो कि विटामिन बी की कमी से ही होती है। वहीं अगर एनीमिया के साथ कमजोरी, सुस्ती और सांस फूलने में दिक्कत है तो ये विटामिन बी की कमी का संकेत है।

हाइपोथायराइड

थायराइड ग्लैंड के अंडरएक्टिव होने की वजह से शरीर में थायराइड हार्मोंस इंबैलेंस हो जाते हैं। जिसकी वजह से नर्व डैमेज होता है। 2016 की स्टडी के मुताबिक थायराइड ग्लैंड के एक्टिव ना होने के कारण पैरों में जलन की समस्या होती है।

किडनी डिसीज

जब किडनी ठीक तरीके से काम करना बंद कर देती है, तब ब्लड में टॉक्सिंस बनने लगते हैं। जिसकी वजह से कई सारी हेल्थ समस्याएं पैदा होती है। जिसमे से एक पेरीफेरल न्यूरोपैथी है जिसमे पैरों में जलन की समस्या होती है। करीब दस प्रतिशत से ज्यादा लोग किडनी डिसीज में पैर के निचले हिस्से में सूजन और जलन होती है।

किन लोगों को नहीं खानी चाहिए भिंडी?

भिंडी एक ऐसी सब्जी है, जो अधिकतर घरों में बनाई जाती है। बच्चों से लेकर बड़े तक, सभी इसे बड़े चाव से खाते हैं। यह खाने में स्वादिष्ट होने के साथ-साथ सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होती है। इसमें प्रोटीन, फाइबर, आयरन, कैल्शियम, पोटैशियम, मैग्नीशियम, जिंक, मैंगनीज, कॉपर, फॉस्फोरस और एंटीऑक्सीडेंट्स जैसे कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं, जो शरीर को स्वस्थ रखने के लिए जरूरी हैं। भिंडी का

सेवन करने से सेहत को कई फायदे मिलते हैं। यह हाई कोलेस्ट्रॉल और हाई ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में मदद करती है। इसके सेवन से पाचन दुरुस्त करने के साथ-साथ वजन घटाने में भी मदद मिलती है। लेकिन इतने फायदों के बावजूद कुछ लोगों के लिए भिंडी का सेवन नुकसानदायक साबित हो सकता है। इसका जरूरत से ज्यादा सेवन करने से शरीर में कई तरह की परेशानियां हो सकती हैं। यहां तक कि कुछ बीमारियों में भिंडी का सेवन करने से रोगी की मौजूद स्थिति बिगड़ भी सकती है। आइए, डाइट्रीफिट की डायटीशियन अबर्ना माथीवानन से जानते हैं कि किन लोगों को भिंडी का सेवन नहीं करना चाहिए।

सावधान! अगर आप भी हैं 'नाइट आउल'

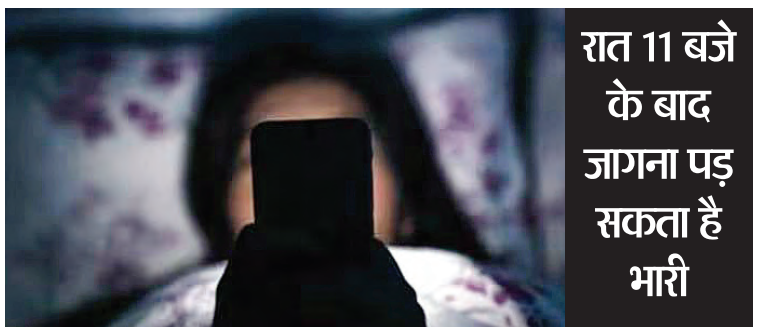

जयपुर। आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी और स्मार्टफोन की लत ने हमारी नींद का गणित बिगाड़ दिया है। लोग अक्सर देर रात तक रील्स स्क्रॉल करते हैं या वेब सीरीज देखते हैं, लेकिन यह आदत जानलेवा साबित हो सकती है। हेल्थ एक्सपर्ट्स और हालिया शोध के अनुसार, रात 11 बजे के बाद सोना आपके शरीर के तीन सबसे महत्वपूर्ण अंगों को धीरे-धीरे बर्बाद कर रहा है। देर रात जागने का इन 3 अंगों पर प्रहार-

लिवर (शरीर की फिल्टर मशीन) : रात 11 बजे से सुबह 3 बजे तक का समय लिवर के लिए सबसे सक्रिय होता है। इस दौरान लिवर खून को साफ करता है और टॉक्सिन्स (जहरीले पदार्थ) बाहर निकालता है। देर रात जागने से यह डिटॉक्स प्रक्रिया रुक जाती है, जिससे चेहरे पर मुंहासे, लगातार थकान और फैटी लिवर जैसी बीमारियां घर कर लेती हैं।

दिमाग और याददाश्त : सोते समय हमारा दिमाग 'ग्लाइम्फैटिक सिस्टम' के जरिए कचरा साफ करता है। रात 11 बजे के बाद जागने से दिमाग को यह मरम्मत का समय नहीं मिलता। इसका परिणाम याददाश्त कमजोर होना, ब्रेन फॉग, चिड़चिड़ापन और भविष्य में अल्जाइमर जैसी गंभीर बीमारियों के खतरे के रूप में सामने आता है।

पाचन तंत्र (आंतें) : देर रात जागने से शरीर में कोर्टिसोल (स्ट्रेस हार्मोन) का स्तर बढ़ जाता है। इससे मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है, जिससे कब्ज, एसिडिटी, ब्लोटिंग और तेजी से वजन बढ़ने की समस्या आम हो जाती है।

समय पर सोने के जादुई फायदे

हार्ट हेल्थ	समय पर सोने से ब्लड प्रेशर संतुलित रहता है और हार्ट अटैक का खतरा कम होता है।
मेंटल हेल्थ	तनाव, एंग्जायटी और डिप्रेशन की संभावनाओं में कमी आती है।
नेचुरल ग्लो	गहरी नींद के दौरान स्किन सेल्स रिपेयर होते हैं, जिससे चेहरे पर प्राकृतिक निखार आता है।
इम्युनिटी	शरीर की बीमारियों से लड़ने की शक्ति यानी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

सोने का 'गोल्डन आवर' क्या है?

विशेषज्ञों के अनुसार, रात 10 बजे से 11 बजे के बीच का समय 'गोल्डन स्लीप आवर' कहलाता है। इस दौरान सोने से हृदय रोगों का खतरा सबसे कम होता है।

वर्ग	सोने का सही समय	नींद की अवधि
बच्चे	रात 8 से 9 बजे	10-12 घंटे
टीनेजर्स	रात 9 से 10 बजे	8-10 घंटे
वयस्क (18-64)	रात 10.00 से 10:30 बजे	7-9 घंटे

बड़ी उम्र में मां बनने पर बच्चे और मां पर पड़ सकता है ये असर, जानें सही उम्र

मां बनने के लिए अब महिलाएं अपने करियर से समझौता करने के लिए तैयार नहीं हैं। बड़ी संख्या में अब वे पहले की तुलना में देर से मां बन रही हैं। मां बनने की राह में उम्र का हिसाब-किताब रखना कितना है जरूरी

मां बनना एक ऐसा खूबसूरत अहसास है, जिसका अनुभव करना अमूमन हर महिला का सपना होता है। लेकिन गर्भधारण करने के लिए कौन सी उम्र सही है, इस बारे में अलग-अलग महिलाओं के मत भी अलग-अलग ही हैं। कोई महिला किस उम्र में मां बनना चाहती है, यह उसका निजी निर्णय होना चाहिए। लेकिन ऐसी बहुत सी बातें हैं जो किसी महिला के मां बनने के फैसले को प्रभावित कर सकती हैं। परिवार बढ़ाने का फैसला लेने में पारिवारिक माहौल, निजी परिस्थितियां, महिला की शारीरिक एवं मानसिक सेहत सहित अन्य बहुत से कारण इस फैसले को प्रभावित कर सकते हैं। अभी कुछ साल पहले तक भी चौबीस-पच्चीस साल की उम्र तक शादी और फौरन बच्चा प्लान करने को ही सही फैसला माना जाता था। पर, बदलते समय ने महिलाओं की सोच को भी बदल दिया है। अब ज्यादातर युवतियां सबसे पहले अपने करियर पर फोकस करना चाहती हैं, फिर शादी करके नए रिश्ते को समय देना चाहती हैं और उसके बाद कहीं जाकर परिवार आगे बढ़ाने के बारे में सोचती हैं। हालांकि, इस बात में कोई बुराई नहीं है, लेकिन डॉक्टरों के अनुसार तीस साल की उम्र के बाद गर्भधारण करना हर महिला के लिए सुरक्षित नहीं होता है क्योंकि बढ़ती उम्र के साथ जटिलताएं भी बढ़ने लगती हैं।

प्रजनन क्षमता पर प्रभाव

उम्र बढ़ने के साथ-साथ ज्यादातर महिलाओं की प्रजनन क्षमता भी प्रभावित होने लगती है और उनके गर्भधारण करने की संभावना घटने लगती है। दरअसल, तीस साल की उम्र के बाद गर्भधारण करने को एडवांस मेटर्नल ऐज कहा जाता है। इसे यह नाम इसलिए दिया गया है क्योंकि एक महिला का शरीर पंद्रह से तीस साल की उम्र के बीच गर्भधारण के लिहाज से पूरी तरह तैयार और सुरक्षित होता है। लेकिन उसके बाद धीरे-धीरे प्रजनन क्षमता कम होने लगती है। हालांकि ऐसा नहीं है कि तीस साल के बाद कोई महिला मां नहीं बन सकती है, लेकिन उम्र बढ़ने के साथ-साथ गर्भावस्था संबंधी समस्याएं बढ़ने लगती हैं। ज्यादा उम्र में अंडाणु की गुणवत्ता प्रभावित होने लगती है, जिसकी वजह से प्राकृतिक रूप से गर्भधारण कर पाना जटिल और जोखिमपूर्ण हो सकता है। ऐसे में डॉक्टर आईवीएफ, आईयूआई, एंब्रियो डोनेशन या जेनेटिक स्क्रीनिंग के माध्यम से गर्भधारण करने की सलाह देते हैं। बढ़ती उम्र में गर्भधारण करना बहुत से अन्य कारणों से भी सुरक्षित नहीं माना जाता है-

बच्चों के बीच उम्र का सही अंतर

यदि एक ही बच्चा प्लान करना हो तो ज्यादा उम्र उतनी बड़ी समस्या नहीं लगती, लेकिन दूसरे बच्चे की प्लानिंग करने में यह समस्या सामने आ सकती है। असल में, बड़ी उम्र में परिवार आगे बढ़ाते समय बच्चों के बीच उम्र का सही अंतर रखना संभव नहीं हो पाता क्योंकि प्रत्येक प्रेग्नेंसी अपने साथ पहले से ज्यादा जोखिम लेकर आती है।

भावनात्मक और शारीरिक चुनौतियां

गर्भवती होने से लेकर बच्चे के जन्म और फिर उसके पालन-पोषण में नई मां की शारीरिक और मानसिक ऊर्जा पूरी तरह खत्म हो जाती है। तीस की उम्र तक या उससे पहले शरीर में ऊर्जा का स्तर ज्यादा बेहतर होता है इसलिए नवजात शिशु की देखभाल करते समय मां को बहुत ज्यादा परेशानी नहीं होती है। लेकिन बढ़ती उम्र भावनात्मक और शारीरिक रूप से मां को कमजोर बना देती है, ऐसे में नवजात शिशु की देखभाल समस्या को और बढ़ा सकती है।

सेहत संबंधी चुनौतियां

युवावस्था में मां बनना आमतौर पर ज्यादातर महिलाओं के लिए पूरी तरह सामान्य और सुरक्षित अनुभव होता है। लेकिन, उम्र बढ़ने के साथ-साथ उच्च रक्तचाप, मधुमेह, जोड़ों में दर्द या दिल की बीमारियां होने का खतरा बढ़ने लगता है। ऐसे में इस तरह की शारीरिक समस्याओं के साथ गर्भधारण करना स्थिति को गंभीर और चुनौतीपूर्ण बना सकता है। इसके अलावा हाइपरटेंशन, थायरॉइड, गर्भपात, इंटरनल ब्लीडिंग, प्रीमेच्योर बच्चे का जन्म अथवा मानसिक या शारीरिक रूप से विकलांग शिशु के जन्म का खतरा भी काफी बढ़ जाता है।

अनुवांशिक जोखिम की आशंका

ज्यादा उम्र की महिलाओं में गर्भावस्था के दौरान अंडाणुओं में असामान्य वृद्धि या बदलाव आने का जोखिम बढ़ जाता है। इस कारण बार-बार गर्भपात या पैदा होने वाले शिशु में कोई अनुवांशिक समस्या होने का खतरा भी बढ़ सकता है।

निजी जीवन पर प्रभाव

ऐसा नहीं है कि ज्यादा उम्र में मां बनना सिर्फ शारीरिक रूप से ही खतरनाक है क्योंकि यह फैसला एक महिला के निजी जीवन को भी बड़े स्तर पर प्रभावित करता है। बच्चे का जन्म अपने साथ बहुत सी नई जिम्मेदारियां और बदलाव भी लेकर आता है। एक नई मां को किसी भी चीज से पहले अपने शिशु के बारे में सोचना होता है।

ईशान के तांडव के सामने पाक पस्त

टी-20 विश्वकप

टीम इंडिया ने पाकिस्तान को 61 रनों से रौंदा

कोलंबो (एजेंसी)। *इशान किशन (77), सूर्यकुमार यादव (32) और शिवम दुबे (27) की शानदार विस्फोटक बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत भारत ने रविवार को टी-20 विश्वकप 27वें मुकाबले में 12 गेंदे शेष रहते पाकिस्तान 61 रनों से मिली हार के कारण एक बार फिर नतमस्तक होना। रौंद कर सुपर आठ में जगह बना ली। भारत ने इस जीत के साथ विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ अपना रिकॉर्ड 8-1 कर लिया है।*

176 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान को भारत की हार्दिक पंड्या और जसप्रीत बुमराह की पेस जोड़ी झकझोर दिया। हार्दिक ने पहले ही ओवर में साहिबजादा फरहान (शून्य) को आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। अगले ही ओवर में जसप्रीत बुमराह ने सैम अयूब (छह) और इसी ओवर की आखिरी गेंद पर कसान आगा सलमान (चार) का शिकार कर लिया। पांचवें ओवर में गेंदबाजी करने आये अक्षर पटेल ने बाबर आजम (पांच) को चलता कर दिया। इसके बाद उस्मान खान और शादाब खान ने 39 रन जोड़कर वापसी का प्रयास किया, लेकिन 11वें ओवर में अक्षर ने उस्मान खान को आउट कर पाकिस्तान को पांचवां झटका दिया। उस्मान खान ने 34 गेंदों में छह चौके और एक छक्का लगाते हुए 44 रनों की पारी खेली। मोहम्मद नवाज (चार) को कुलदीप ने अपना शिकार बनाया। 13वें ओवर में तिलक वर्मा ने शादाब खान को आउट कर भारत को सातवीं सफलता

दिलाई। 16वें ओवर में वरुण चक्रवर्ती ने फहीम अशरफ (10) और अबरार अहमद (शून्य) का शिकार कर लिया। 18वें ओवर की आखिरी गेंद पार हार्दिक पंड्या ने उस्मान तारिक (शून्य) को बोल्ड कर 114 के स्कोर पर पाकिस्तान की पारी का अंत कर भारत को सुपर आठ में पहुंचा दिया। भारत के लिए हार्दिक पंड्या, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती ने दो-दो विकेट लिये। कुलदीप यादव और तिलक वर्मा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी भारत की शुरुआत खराब रही और उसने अभिषेक शर्मा (शून्य) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये तिलक वर्मा ने इशान किशन के साथ दूसरे विकेट के लिए 87 रन जोड़े। नौवें ओवर में सैम अयूब ने इशान किशान को बोल्ड कर इस साझेदारी का अंत किया। इशान किशान ने 40 गेंदों में 10 चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए 77 रनों की पारी खेली। जिसकी बदोलत उसे मैन ऑफ दी मैच घोषित किया गया।

लोकेश सत्यनाथन ने 8मी इनडोर लॉन्ग जंप का ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया

फेएटविले/अमेरिका (एजेंसी)। *भारत के लोकेश सत्यनाथन शनिवार को अर्कांसस में टायसन इनविटेशनल 2026 में 8.01मी की ऐतिहासिक छलांग लगाकर इनडोर लॉन्ग जंप में आठ मीटर का आंकड़ा पार करने वाले पहले भारतीय बन गए।*

ओलंपिक डॉट कॉम के अनुसार, रैंडल टायसन इनडोर सेंटर में टैरलटन स्टेट के लिए मुकाबला करते हुए, 26 साल के लोकेश 16 एथलीटों के बीच आठवें स्थान पर रहे और एक नया भारतीय इनडोर नेशनल रिकॉर्ड बनाया, जिससे 2023 से जेसविन एल्ड्रिन के 7.97मी के पिछले रिकॉर्ड में सुधार हुआ। यह रिकॉर्ड एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा मंजूरी पर निर्भर है। यह इवेंट अमेरिकी हर्डलर कॉर्डेल टिंच

ने 8.29मी की छलांग के साथ जीता, जबकि जमैका के वर्ल्ड चैंपियन ताजय गेल 8.13मी के साथ चौथे स्थान पर रहे। दक्षिण अफ्रीका के ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट लुवो मन्योंगा 8.11मी के साथ छठे स्थान पर रहे।

सत्यनाथन ने कॉम्पिटिशन के दौरान लगातार 7.69मी, फाउल, 7.94मी, 7.99मी, 8.01मी और 7.96मी की जंप लगाईं। उनकी रिकॉर्ड तोड़ने वाली कोशिश उनके करियर की दूसरी सबसे अच्छी जंप भी थी, जो 2023 में कैलिफ़ोर्निया में एक आउटडोर मीट में हासिल की गई उनकी पर्सनल बेस्ट 8.02मी से पीछे है। टायसन इनविटेशनल, जो वर्ल्ड एथलेटिक्स इंडोर टूर सिल्वर कैलेंडर का हिस्सा है, में कई टॉप इंटरनेशनल एथलीट शामिल थे। इस सीजन की शुरुआत में, सत्यनाथन टेक्सास में 7.80मी की कोशिश के साथ तीसरे स्थान पर रहे थे और ओक्लाहोमा में 7.83मी की जंप के साथ एक मीट जीती थी, जिससे इनडोर कैंपेन में उनके अच्छे फॉर्म का पता चलता है।

रियान पराग के हाथों में राजस्थान की कमान

जयपुर (खेसं)। रियान पराग को आईपीएल 2026 से पहले राजस्थान रॉयल्स का कप्तान बनाया गया है, जो संजू सैमसन के चेन्नई सुपर किंग्स में जाने के बाद फ्रेंचाइजी के लिए एक नए

युग की शुरुआत है। पराग, जिन्होंने 2019 में आईपीएल में डेब्यू किया था, ने अपने सभी सात सीजन रॉयल्स के साथ बिताए हैं। पिछले साल जब सैमसन चोट के कारण बाहर थे, तो उन्होंने आठ मैचों में टीम की कप्तानी की थी, जिसमें दो जीत और छह हार मिली थीं, जिससे टीम नौवें स्थान पर रही थी। हालांकि यह समय मुश्किल साबित हुआ, पराग ने बल्ले से प्रभावित किया, उन मैचों में 38.57 का औसत बनाया, जिसमें ईडन गार्डन्स में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ करियर की सबसे अच्छी 95 रन की पारी भी शामिल है।

वैभव सूर्यवंशी डीवाई पाटिल टी20 टूर्नामेंट में खेलेंगे

मुंबई (एजेंसी)

टीनएज सेंसेशन वैभव सूर्यवंशी के मुंबई में डीवाई पाटिल टी20 टूर्नामेंट में खेलने की संभावना है। नवी मुंबई में होने वाले इस सालाना कॉम्पिटिशन में हर साल 16 टीमें हिस्सा लेती हैं, और इस सीजन में भारत का अंडर-19 वर्ल्ड कप जीतने वाला यह स्टार डीवाई पाटिल की किसी एक टीम को रिप्रेजेंट करने के लिए तैयार है। ऑर्गनाइजर आमतौर पर कॉम्पिटिशन में दो टीमें उतारते हैं। सूर्यवंशी और टूर्नामेंट ऑर्गनाइजर के करीबी सूत्रों ने क्रिकबज को बताया है कि प्लेयर की टीम से बातचीत चल रही है और इस युवा खिलाड़ी के टूर्नामेंट में खेलने की संभावना बहुत ज़्यादा है। यह आईपीएल सीजन से पहले हो रहा है और इस साल 23 फरवरी से शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट में आमतौर पर कई इंटरनेशनल प्लेयर हिस्सा लेते हैं।

सूर्यवंशी, जिन्होंने हाल ही में हरारे में इंग्लैंड के खिलाफ अंडर-19 वर्ल्ड कप फाइनल में रिकॉर्ड तोड़ 175 रन बनाए थे, अभी नागपुर के पास तालेगांव में हैं, जहां राजस्थान रॉयल्स की एक

फैसिलिटी है। हरारे से आने के बाद, 14 साल का यह खिलाड़ी घर नहीं गया और इसके बजाय आईपीएल सीजन की तैयारी करने लगा।

उनके एक करीबी सूत्र ने बताया कि वह अभी तालेगांव में प्रैक्टिस कर रहे हैं, जहां राजस्थान रॉयल्स का कैंप चल रहा है। कैंप 21 फरवरी तक चलेगा, जिसके बाद सूर्यवंशी पटना और फिर अपने होमटाउन जाएंगे। उनके शहर में एक प्रमोशनल इवेंट है-जहां उन्हें एक गाड़ी गिफ्ट किए जाने की उम्मीद है। लगता है यह बहुत पहले हो जाना चाहिए था और उसके बाद, वह डीवाई पाटिल टूर्नामेंट के लिए मुंबई आ सकते हैं।

जोकोविच के बाद सिलिच 600 मुकाबले जीतने वाले दूसरे सक्रिय खिलाड़ी

डलास (एजेंसी)

नेक्सो डलास ओपन में लर्नर टिएन के खिलाफ मिली मारिन सिलिच की 600वीं टूर-लेवल जीत, उनकी कंसिस्टेंसी और लंबे समय तक टिके रहने की झलक है, इन खूबियों ने उन्हें आज के महान खिलाड़ियों में जगह बनाने में मदद की है।

एटीपी टूर पर दो दशकों में, जिसका ज्यादातर हिस्सा 'बिग थ्री' युग में मुकाबला करते हुए बीता, क्रोएशियाई खिलाड़ी न केवल टिका रहा, बल्कि आगे भी बढ़ा है। 37 साल के सिलिच इस खेल के सबसे कड़े कॉम्पिटिटर में से एक हैं, जिनके पास उतनी ही जबरदस्त बेसलाइन फायरपावर है। साथ ही, 21 बार टूर-लेवल टाइटल जीतने वाले सिलिच शांत अंदाज़, आसान मुस्कान और सच्ची दयालुता के बीच संतुलन बनाते हैं, जो खिलाड़ियों और फैंस दोनों को पसंद आता है। सिलिक के नाम सक्रिय खिलाड़ियों में दूसरी सबसे ज्यादा जीत

हैं, जो सिर्फ नोवाक जोकोविच (1,168 और गिनती जारी है) से पीछे हैं। अपनी 600वीं टूर-लेवल जीत हासिल करके, सिलिच अब तक के सबसे ज़्यादा जीत हासिल करने वाले क्रोएशियाई खिलाड़ी बन गए, उन्होंने पूर्व वर्ल्ड नंबर-2 गोरान इवानिसेविच को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने अपने शानदार करियर में 599 टूर-लेवल जीत हासिल की थीं। सिलिच के करियर की एक खास बात 2014 में यूएस ओपन में आई, जहां उन्होंने अपनी पहली बड़ी ट्रॉफी उठाई। सिलिच ने फाइनल में जापान के केई निशिकोरी को हराया, इसके पहले उन्होंने सेमीफाइनल में पांच बार के चैंपियन रोजर फेडरर को हराया था।

कैरोलिना मुचोवा ने दोहा में अपना पहला डब्ल्यूटीए 1000 खिताब जीता

दोहा (एजेंसी)। चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा 2019 के बाद पहली बार, डब्ल्यूटीए टूर पर चैंपियन बनी हैं। उन्होंने विक्टोरिया म्बोको को शनिवार को दोहा में 1 घंटे 34 मिनट में 6-4, 7-5 से हराकर कतर टोटलएनर्जीज ओपन जीता।

इस जीत से मुचोवा को अपने करियर का दूसरा और डब्ल्यूटीए 1000 लेवल पर पहला टाइटल मिला। ट्रॉफी प्रेजेंटेशन के दौरान मुचोवा ने कहा कि मुझे कोई टूर्नामेंट जीते हुए काफी समय हो गया है। इसलिए उस फीलिंग को फिर से पाना अच्छा है। दोहा में उस जीत की फीलिंग की याद दिलाना, यह अविश्वसनीय है।

29 साल की इस खिलाड़ी के लिए यह कई मायनों में बहुत लंबे समय से आ रहा था। मुचोवा का पहला करियर टाइटल 2019 में सोल में आया था। सिर्फ दो एक्टिव खिलाड़ियों ने अपने पहले और दूसरे टाइटल के बीच ज़्यादा इंतज़ार किया है, सोराना

सिर्स्टिया (13 साल) और विक्टोरिजा गोलुबिक (आठ)। उस समय में, मुचोवा चार फाइनल हारी, सभी इगा स्वियाटेक, कोको गॉफ़ और ज़ेंग किनवेन जैसे एलीट कॉम्पिटिशन से। 2009 में इस फॉर्मेट के शुरू होने के बाद से, सिर्फ तीन खिलाड़ियों ने मुचोवा (57) से ज़्यादा डब्ल्यूटीए 1000 मैच जीते हैं।

पहले छह गेम तक दोनों बराबरी पर रहे, इससे पहले कि मुचोवा ने 4-3 से ब्रेक लिया। मजबूत होने के बाद, उन्होंने म्बोको की सर्व पर एक सेट पॉइंट हासिल किया, लेकिन कनाडाई खिलाड़ी ने कोशिश को नाकाम कर दिया। यह राहत ज़्यादा देर तक नहीं रही, क्योंकि मुचोवा ने अगले गेम में सेट पूरा कर लिया।

मुचोवा ने फिर से दूसरा सेट शुरू करने के लिए जोरदार शुरुआत की, 2-2 की बराबरी पर तीन ब्रेक पॉइंट हासिल किए। म्बोको ने बैकहैंड विनर, एक स्मैश और एक ऐस के साथ उन्हें ज़ोरदार तरीके से मिटा दिया। कुछ पॉइंट बाद; उन्होंने मैच का अपना चौथा ऐस लगाकर स्कोर 3-2 कर दिया। वह लगातार आगे बढ़ती रहीं, मुचोवा को ब्रेक करके 4-2 की बढ़त बना ली, यह मैच का उनका पहला ब्रेक था, लेकिन यह मोमेंटम ज़्यादा देर तक नहीं रहा। मुचोवा ने तुरंत ब्रेक किया और 4-4 से बराबरी पर रहते हुए वह पल तय किया जिसने मैच का फैसला कर दिया: 6-5 का ब्रेक जिससे उन्हें टाइटल के लिए सर्व करने का मौका मिला और उन्होंने काम पूरा कर दिया।

खेल संक्षिप्त

ऐश्वर्य प्रताप सिंह ने विश्व रिकॉर्ड के साथ जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली (एजेंसी)। दो बार के ओलंपियन ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने गुरुवार को एशियन निशानेबाजी चैंपियनशिप 2026 में पुरुषों की 50मी राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन कर नया विश्व रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता।

आज यहां डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में मुकाबला करते हुए, 25 साल के भारतीय निशानेबाज ने फाइनल में नीलिंग, प्रोन और स्टैंडिंग राउंड के बाद कुल 362.0 के साथ अपने खिताब का बचाव किया। कुल मिलाकर, यह एशियन चैंपियनशिप में ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर का पांचवां व्यक्तिगत निशानेबाजी पदक है। इससे पहले उन्होंने दोहा 2019 में कांस्य, चांगवोन 2023 में स्वर्ण, जकार्ता 2024 में रजत और शिमकेंट 2025 में स्वर्ण पदक जीता था। भारत ने पुरुषों की 50मी राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में भी क्लीन स्वीप किया, जिसमें नीरज कुमार ने 361.8 के साथ रजत और अखिल श्योरण ने 343.5 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता। इससे पहले, नीरज, ऐश्वर्य और अखिल की तिकड़ी ने क्वालिफिकेशन राउंड में कुल 1769-106 स्कोर करके भारत को टीम स्वर्ण दिलाया। जापान 1754-86 के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जबकि कजाकिस्तान ने 1748-87 के साथ कांस्य पदक जीता। नीरज 593-34 के साथ क्वालिफाइंग में शीर्ष पर रहे, उनके बाद रुद्रांक्ष पाटिल (591-33) रहे, जिन्होंने रैंकिंग पॉइंट्स ओनली (आरपीओ) के लिए मुकाबला किया। ऐश्वर्य (588-40) क्वालिफिकेशन में तीसरे और अखिल (588-32) चौथे स्थान पर रहे।

फर्ग्यूसन को पितृत्व अवकाश, कनाडा के खिलाफ मैच नहीं खेल पाएंगे

चेन्नई (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के पेसर लॉकी फर्ग्यूसन को पितृत्व अवकाश मिल गया है और वह कनाडा के खिलाफ टीम के आखिरी ग्रुप डी गेम के लिए उपलब्ध नहीं होंगे, न्यूजीलैंड क्रिकेट ने रविवार को यह घोषणा की। पेसर रविवार को घर के लिए रवाना होंगे। न्यूजीलैंड के हेड कोच रॉब वाल्टर ने कहा कि यह लॉकी और एम्मा के लिए बहुत ही रोमांचक समय है और हमें खुशी है कि वह इतने खास मौके पर घर पर होंगे। इस स्टेज पर, हम लॉकी को स्क्वॉड में रिप्लेस नहीं करेंगे क्योंकि प्लान है कि वह टूर्नामेंट के सुपर 8 फेज के लिए वापस आ जाएं, लेकिन हमारे ट्रैवलिंग रिजर्व बेन सियर्स और कोल मैककॉन्ची जरूरत पड़ने पर स्क्वॉड में शामिल होने के लिए तैयार हैं। न्यूजीलैंड ने इस टूर्नामेंट में अब तक अपने तीन ग्रुप गेम में से दो जीते हैं, और मंगलवार को कनाडा से भिड़ेगा।

हनी बैसोया ने जीता डीपी वर्ल्ड प्लेयर्स चैंपियनशिप का खिताब

नई दिल्ली (एजेंसी)। हनी बैसोया ने नई दिल्ली के कुतुब गोल्फ कोर्स में खेले गए 1.5 करोड़ रुपए की डीपी वर्ल्ड प्लेयर्स चैंपियनशिप 2026 में आखिरी दिन शुक्रवार को पांच-अंडर 65 के स्कोर के साथ तीन शॉट की जीत दर्ज करते हुए हफ्ता शानदार तरीके से खत्म किया।

हनी बैसोया (63-65-64-65), जो रात भर पांच शॉट से आगे चल रहे थे, ने चौथे राउंड में एक बोगी के मुकाबले छह बर्डी बनाकर बढ़त हासिल की और हफ्ते का कुल स्कोर 23-अंडर 257 कर लिया और इस तरह टाइटल के लिए उनका पांच साल का इंतजार खत्म हो गया। यह 29 साल के हनी की आठवीं प्रोफेशनल जीत थी। बैसोया ने 22,50,000 रुपए का विनिंग चेक जीता, और 2026 डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट में तीसरे स्थान से पहले स्थान पर पहुंच गए।

जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर किया सबसे बड़ा उलटफेर

कोलम्बो (एजेंसी)। ब्लेसिंग मुजारबानी (17 रन पर चार विकेट) और ब्रेड इवांस (23 रन पर तीन विकेट) की घातक गेंदबाजी के दम पर जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम को शुक्रवार को 23 रन से हराकर टी 20 विश्व कप का सबसे बड़ा उलटफेर कर दिया। जिम्बाब्वे ने दो विकेट पर 169 रन का स्कोर बनाने के बाद ऑस्ट्रेलिया को 19.3 ओवर में 146 रन पर ढेर कर दिया। उन्होंने 2007 टी20 विश्व कप में ताकतवर ऑस्ट्रेलियाई टीम को हराया था और अब 2026 में उन्हें एक बार फिर हराया है। ब्लेसिंग मुजारबानी को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। कोलंबो का आर प्रेमदासा स्टेडियम ज़िम्बाब्वे के खुश चेहरों से भरा हुआ था, जबकि ऑस्ट्रेलियाई सपोर्टर्स समझ नहीं पा रहे हैं कि उनकी टीम यह गेम कैसे हार गई। उन्हें बैटिंग करने के लिए कहा गया, उन्होंने 2 विकेट पर 169 रन बनाए और यह स्कोर उन्हें 23 रन से जीतने के लिए काफी था। ब्लेसिंग मुजारबानी और ब्रैड इवांस ने नई बॉल से शानदार प्रदर्शन किया और ऑस्ट्रेलिया के टॉप-ऑर्डर को चकनाचूर कर दिया।

सेरुंडोलो अर्जेंटीना ओपन के सेमीफाइनल में

ब्यूनस आयर्स (एजेंसी)। टॉप सीड और लोकल फेवरेट फ्रांसिस्को सेरुंडोलो चेक विट कोप्रिवा को 6-4, 6-3 से हराकर अर्जेंटीना ओपन के सेमीफाइनल में पहुंच गए।

सेरुंडोलो, जो एटीपी टूर में 19वें नंबर पर हैं, ने अपने पहले सर्व पर 74 परसेंट पॉइंट जीते और 12 में से पांच ब्रेक पॉइंट को कन्वर्ट करके ब्यूनस आयर्स लॉन टेनिस क्लब की आउटडोर क्ले पर एक घंटे 38 मिनट में जीत हासिल की। वर्ल्ड नंबर 95 कोप्रिवा ने चार डबल फॉल्ट किए और 31 अनफोर्स्ड गलतियां कीं। 27 साल के सेरुंडोलो ने कहा कि यह एक मुश्किल मैच था। बहुत तेज हवा चल रही थी और ऐसे पल भी आए जब आपने बॉल मारी और पता नहीं चला कि वह कहां जा रही है। उसने बहुत अग्रेसिव, इंटेंस और फ्लैट, लो खेलना शुरू किया। मुझे इसकी आदत नहीं थी। मैंने अच्छा नहीं खेला और मुझे अनकम्फर्टेबल महसूस हुआ, इसलिए मैं जीतकर बहुत खुश हूं।

आई-लीग को अब इंडियन फुटबॉल लीग के नाम से जाना जाएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। एआईएफएफ ने गुरुवार को घोषणा की कि 2025-26 सीज़न से आई-लीग को इंडियन फुटबॉल लीग के तौर पर रीब्रांड किया गया है। ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर एक घोषणा में कहा कि एआईएफएफ एग्जीक्यूटिव कमेटी ने 12 फरवरी, 2026 को मीटिंग में, 2025-26 सीजन से आई-लीग को इंडियन फुटबॉल लीग के तौर पर रीब्रांड करने को मंजूरी दे दी है। बयान में आगे कहा गया कि कमेटी ने इंडियन सुपर लीग और इंडियन फुटबॉल लीग की गवर्निंग काउंसिल के चार्टर को और मंजूरी दी। यह कदम जनवरी में हुई चर्चा के बाद उठाया गया है, जब आई-लीग क्लबों के मालिकों और प्रतिनिधियों ने 2025-26 सीजन के लिए स्ट्रक्चर और ऑपरेशनल फ्रेमवर्क का प्रस्ताव देने के लिए नई दिल्ली में एआईएफएफ अधिकारियों से मुलाकात की थी। क्लबों ने एक गवर्निंग काउंसिल और एक मैनेजिंग कमेटी बनाने का सुझाव दिया था, जिसमें साफ तौर पर तय भूमिकाएं और जिम्मेदारियां हों। इसके बाद इस प्रस्ताव को मंजूरी के लिए एग्जीक्यूटिव कमेटी के सामने रखा गया।

स्वर्णनगरी का होगा वर्ल्ड क्लास मेकओवर

बजट 2026: दिया कुमारी का बड़ा ऐलान, 5000 करोड़ से बदलेगी तस्वीर, दुबई और मोरक्को को मिलेगी सीधी टक्कर

जयपुर/जैसलमेर (विसं)। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री दिया कुमारी ने बजट 2026 में पर्यटन क्षेत्र को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए एक क्रांतिकारी रोडमैप पेश किया है। सरकार का मुख्य ध्यान जैसलमेर को एक 'ग्लोबल इको-टूरिज्म हब' के रूप में विकसित करना है। इसके लिए प्रदेश में 'राजस्थान टूरिज्म इंफ्रास्ट्रक्चर और कैपेसिटी बिल्डिंग अथॉरिटी' का गठन किया जाएगा, जो 5,000 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की देखरेख करेगी।

खुड़ी में बनेगा 'अल्ट्रा लग्जरी स्पेशल टूरिज्म जोन'

जैसलमेर का प्रसिद्ध खुड़ी क्षेत्र अब केवल ऊंट सफारी तक सीमित नहीं रहेगा। बजट घोषणा के अनुसार, यहां एक 'अल्ट्रा लग्जरी जोन' विकसित किया जाएगा।

क्या होगा खास: यहां सात सितारा रिसॉर्ट्स, प्राइवेट विला और अंतरराष्ट्रीय स्तर की मरुस्थलीय सुविधाएं तैयार की जाएंगी।

वैश्विक मुकाबला: यह जोन दुबई के मरुस्थलीय रिसॉर्ट्स और मोरक्को की लग्जरी पर्यटन सुविधाओं को सीधी टक्कर देगा, जिससे विदेशी पर्यटकों की संख्या में भारी इजाफा होगा।

कुलधरा का नया अवतार : जैसलमेर के रहस्यमयी और ऐतिहासिक गांव कुलधरा को पर्यटकों के लिए अधिक सुलभ और सूचनाप्रद बनाया जाएगा। सरकार यहां एक आधुनिक 'पर्यटक सुविधा केंद्र' विकसित करेगी, जहां पर्यटकों को कैफे, सूचना केंद्र और बुनियादी सुविधाएं एक ही छत के नीचे मिलेंगी।

मिशन 2047: ग्लोबल इको-टूरिज्म लीडर

सरकार का लक्ष्य साल 2047 तक राजस्थान को दुनिया का सबसे बड़ा ग्रामीण और सांस्कृतिक पर्यटन केंद्र बनाना है। वित्त मंत्री ने स्पष्ट किया कि 5,000 करोड़ का यह निवेश स्मारकों के संरक्षण, बेहतर कनेक्टिविटी और पर्यटन सुरक्षा पर खर्च होगा।

खुड़ी में बनेगा 'लग्जरी जोन', कुलधरा में आधुनिक सेंटर

जोधपुर-पाली-मारवाड़ बनेगा नया इंडस्ट्रियल हब: डीएमआईसी प्रोजेक्ट के लिए 922 करोड़ मंजूर, लाखों को मिलेगा रोजगार

3600 हेक्टेयर में बसेगा नया औद्योगिक शहर: जोधपुर से मात्र 30 किमी दूर बनेगा हाई-टेक जोन, बजट में वित्त मंत्री की बड़ी सौगात

जोधपुर/जयपुर (विसं)। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री दिया कुमारी ने बजट 2026 में मारवाड़ क्षेत्र के आर्थिक कायाकल्प के लिए एक ऐतिहासिक घोषणा की है। दिल्ली-मुंबई औद्योगिक कॉरिडोर के तहत जोधपुर-पाली-मारवाड़ औद्योगिक क्षेत्र को अब हकीकत में बदलने की तैयारी शुरू हो गई है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए सरकार ने खजाना खोल दिया है।

9000 एकड़ में सजेगी 'इंडस्ट्रियल टाउनशिप': नेशनल इंडस्ट्रियल कॉरिडोर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन द्वारा विकसित की जा रही इस परियोजना के तहत 3600 हेक्टेयर (लगभग 9000 एकड़) भूमि पर एक नया औद्योगिक शहर बसाया जाएगा। इसकी शुरुआती अनुमानित लागत 922 करोड़ रुपये तय की गई है। यह केवल फैक्ट्रियों का इलाका नहीं होगा, बल्कि एक आधुनिक 'स्मार्ट सिटी' की तर्ज पर विकसित होगा।

कनेक्टिविटी का मिलेगा बड़ा लाभ : यह नया औद्योगिक क्षेत्र भौगोलिक दृष्टि से बेहद रणनीतिक स्थान पर स्थित है। यह जोधपुर से मात्र 30 किलोमीटर और मारवाड़ जंक्शन से 60 किलोमीटर दूर है। वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के सक्रिय होने से माल परिवहन तेज और सस्ता हो जाएगा, जिससे यह पश्चिम भारत का प्रमुख विनिर्माण केंद्र बनेगा।

प्रोजेक्ट की खासियतें, स्मार्ट सिटी जैसा होगा माहौल

आवासीय सुविधाएं: उद्योगों में काम करने वालों के लिए हाई-टेक टाउनशिप।
वाणिज्यिक केंद्र: व्यापार और बिजनेस के लिए आधुनिक ऑफिस और मॉल।
लॉजिस्टिक्स: माल के आयात-निर्यात के लिए मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक हब।
रोजगार: स्थानीय युवाओं को अपने ही क्षेत्र में बड़े स्तर पर काम मिलेगा।

एआई से होगी बिजली की निगरानी, बीसलपुर लाइन से बुझेगी 50 लाख लोगों की प्यास: बजट में बुनियादी विकास का 'स्मार्ट' रोडमैप

जयपुर (विसं)। राजस्थान की भजनलाल सरकार ने वर्ष 2026 के बजट में आधुनिकता और बुनियादी विकास का अनूठा संगम पेश किया है। जहां एक ओर पेयजल संकट दूर करने के लिए बीसलपुर परियोजना को संजीवनी दी गई है, वहीं दूसरी ओर बिजली चोरी रोकने और सिस्टम सुधारने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का सहारा लिया जाएगा।

बीसलपुर : 400 रूकी नई लाइन, 1092 गांवों को फायदा

जयपुर और टोंक जिलों में वर्षों से चले आ रहे पानी के संकट को समाप्त करने के लिए सरकार ने बीसलपुर परियोजना के सुदृढ़ीकरण हेतु 650 करोड़ रुपये का भारी-भरकम बजट आवंटित किया है।

योजना के अनुसार : नई लाइन: सूरजपुर से 400 रूरूकी नई ट्रांसमिशन लाइन बिछाई जाएगी।

लाभार्थी : इससे जयपुर के चाकसू, बक्शी समेत 1092 गांवों की 30 लाख आबादी और टोंक के निवाई, टोडारायसिंह व दूनी क्षेत्र की 20 लाख आबादी को सीधा फायदा होगा। कुल मिलाकर 50 लाख लोगों तक शुद्ध पेयजल पहुंचेगा।

ऊर्जा क्षेत्र: अब एआई रखेगा बिजली पर नजर : *बिजली व्यवस्था को हाई-टेक बनाने के लिए अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआई की मदद ली जाएगी। अजमेर डिस्कॉम सेंटर में डू आधारित सिस्टम लगाया जाएगा, जो रियल-टाइम मॉनिटरिंग करेगा।*

इससे बिजली छीजत कम होगी और फॉल्ट का पता तुरंत चलेगा। इसके अलावा, बीकानेर और जैसलमेर में 2950 करोड़ रुपये की लागत से दो विशाल सोलर पार्क स्थापित होंगे।

अब व्हाट्सएप पर मिलेंगी 100 सरकारी सेवाएं, डेथ-बर्थ सर्टिफिकेट और लाइसेंस के लिए दफ्तर जाने का झंझट खत्म

डिजिटल क्रांति: 'वन्स ऑनली प्रिंसिपल' से बार-बार दस्तावेज जमा करने से मिलेगी मुक्ति, हर शहर में खुलेंगे 'स्मार्ट सेवा केंद्र'

जयपुर (विसं)। राजस्थान सरकार ने बजट 2026-27 में प्रदेश की जनता को डिजिटल क्रांति का बड़ा तोहफा दिया है।

सरकार ने सरकारी कामकाज को आसान और पारदर्शी बनाने के लिए नई आईटी पॉलिसी का ऐलान किया है। इसके तहत अब आमजन को जाति, मूल निवास, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र और लाइसेंस जैसी 100 महत्वपूर्ण सेवाएं सीधे व्हाट्सएप पर मिलेंगी। वित्त मंत्री ने बजट भाषण में स्पष्ट किया कि डिजिटल राजस्थान के सपने को साकार करने के लिए सरकार तकनीक का अधिकतम उपयोग करेगी ताकि लोगों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें।

व्हाट्सएप पर मिलेंगी ई-मित्र की सेवाएं

सरकार ने घोषणा की है कि अभी तक ई-मित्र केंद्रों पर लगभग 60 सेवाएं मिल रही थीं, लेकिन अब इनका दायरा बढ़ाया जाएगा।

ई-मित्र की 100 महत्वपूर्ण सेवाओं को व्हाट्सएप प्लेटफॉर्म से जोड़ा जाएगा। इसका सीधा फायदा यह होगा कि लोग घर बैठे अपने मोबाइल से ही आवेदन कर सकेंगे और जरूरी दस्तावेज प्राप्त कर सकेंगे।

'वन्स ऑनली प्रिंसिपल': एक बार दें डेटा, बार-बार काम

बजट की सबसे बड़ी घोषणाओं में से एक 'वन्स ऑनली प्रिंसिपल' को लागू करना है। इसके तहत नागरिकों और व्यापारियों से किसी भी दस्तावेज की जानकारी केवल एक बार ली जाएगी। सभी सरकारी विभाग आपस में डेटा साझा करेंगे। इससे आम आदमी को हर अलग-अलग काम के लिए बार-बार वही दस्तावेज जमा करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

हर शहर में खुलेंगे 'स्मार्ट सेवा केंद्र'

शहरी क्षेत्रों में सुविधाओं को बढ़ाने के लिए सरकार ने प्रदेश के सभी नगर निगमों, नगर परिषदों और नगरपालिकाओं में चरणबद्ध तरीके से 'स्मार्ट सेवा केंद्र' खोलने की घोषणा की है। इन केंद्रों पर जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, फायर एनओसी एफआरआई एनओसी और विभिन्न प्रकार के लाइसेंस एक ही छत के नीचे और तय समय सीमा में जारी किए जाएंगे।

औद्योगिक पार्क, सैनिक कॉम्प्लेक्स और 3 लाख लीटर क्षमता का मिल्क प्लांट मंजूर

खैरथल-तिजारा और कोटपूतली-बहरोड़ को मिलीं बड़ी सौगातें

अलवर। राजस्थान के बजट 2026 में सीमावर्ती अलवर जिले के लिए मिला-जुला उत्साह देखने को मिला है। हालांकि, अलवर को संभाग बनाने की बरसों पुरानी मांग इस बार भी अधूरी रही, लेकिन सरकार ने नए जिलों—खैरथल-तिजारा और कोटपूतली-बहरोड़ पर विकास की झड़ी लगाकर अपनी प्राथमिकता स्पष्ट कर दी है। बजट में औद्योगिक विकास, स्वास्थ्य, और सड़क तंत्र को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया है। बजट में औद्योगिक विकास को गति देने के लिए खैरथल-तिजारा के मुंडावर और कोटपूतली-बहरोड़ के नीमराणा में नए औद्योगिक पार्क बनाने की घोषणा की गई है। इसके अलावा, भिवाड़ी और अलवर को जलभराव से मुक्ति दिलाने के लिए बाढ़ सुरक्षा मद में 1020 करोड़ रुपये का

प्रावधान किया गया है। खैरथल में पूर्व सैनिकों और वीरांगनाओं के लिए सैनिक कॉम्प्लेक्स की स्थापना एक महत्वपूर्ण कदम है। अलवर-बांदीकुई खंड में 70 करोड़ की लागत से आरओबी और कोटपूतली-बहरोड़ के दहमी में फ्लाईओवर बनेगा। कुशालगढ़ तिराहे से थैंक्यू बोर्ड वाया भर्तृहरि तक 20 करोड़ से सड़क निर्माण और भर्तृहरि तिराहे की पुलिया का जीर्णोद्धार होगा।

स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा

स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए मालाखेड़ा में नया सीएचसी भवन और अलवर सामान्य अस्पताल में नशा मुक्ति केंद्र खोला जाएगा। कोटपूतली-बहरोड़ के आयुर्वेद चिकित्सालयों को जिला अस्पताल में क्रमोन्नत किया गया है। वहीं, अपराध नियंत्रण के लिए खैरथल-तिजारा और कोटपूतली-बहरोड़ में अभय कमांड सेंटर स्थापित होंगे।

अलवर शहर और जिला: 200 करोड़ की लागत से 3 लाख लीटर क्षमता का मिल्क प्रोसेसिंग प्लांट। पुरानी जेल में आधुनिक मुलाकात कक्ष और नई जेल का निर्माण। राजगढ़ और अलवर में 3 करोड़ की पेयजल योजना। एनसीआर क्षेत्र में सरस के नए आउटलेट्स।

खैरथल-तिजारा: तिजारा व टपूकड़ा के लिए 20 करोड़ का ड्रेनेज प्लान।

मेंटल हेल्थ पर सरकार का 'मास्टरप्लान': 'राज ममता' से रुकेंगी आत्महत्याएं, कॉलेजों में नियुक्त होंगे काउंसलर

अब दस्तावेजों के बिना भी मिलेगा फ्री इलाज, एक्सीडेंट रोकने के लिए ड्राइविंग लाइसेंस के साथ सीपीआर ट्रेनिंग अनिवार्य

जयपुर (विसं)। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री दिया कुमारी ने बुधवार को विधानसभा में बजट 2026 पेश करते हुए स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 'तिजोरी' खोल दी है। सरकार ने मानवतावादी दृष्टिकोण अपनाते हुए यह ऐतिहासिक घोषणा की है कि अब राज्य में दस्तावेजों के अभाव में कोई भी व्यक्ति इलाज से वंचित नहीं रहेगा। 'मुख्यमंत्री चिकित्सा आरोग्य योजना' और 'निरोगी राज्य योजना' के तहत समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी अब सरकारी अस्पतालों में बिना किसी कागज के तत्काल निशुल्क चिकित्सा सुविधा मिल सकेगी। बढ़ती आत्महत्याओं पर प्रहार: 'राज ममता' कार्यक्रम प्रदेश में युवाओं में बढ़ती आत्महत्याओं और मानसिक तनाव को देखते हुए सरकार ने 'राज ममता' कार्यक्रम की शुरुआत की है।

एसएमएस में सेंटर: जयपुर के एसएमएस अस्पताल में एक अत्याधुनिक मेंटल हेल्थ सेंटर खुलेगा।

काउंसलिंग: सभी कॉलेजों में काउंसलिंग को अनिवार्य किया जाएगा और वहां पेशेवर काउंसलर नियुक्त होंगे।

जिला स्तर: हर जिला अस्पताल में मेंटल हेल्थ केयर यूनिट्स बनाई जाएंगी।

सड़क सुरक्षा: लाइसेंस चाहिए तो सीखना होगा सीपीआर: सड़क हादसों में होने वाली मौतों को रोकने के लिए 'राज सुरक्षा' योजना लाई गई है। इसके तहत अब ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने या रिन्यू कराने के लिए सीपीआर ट्रेनिंग अनिवार्य कर दी गई है, ताकि एक्सीडेंट के समय मौके पर मौजूद लोग घायल की जान बचा सकें।

अंतिम सफर सम्मान के साथ: 'मोक्षवाहिनी' योजना

सरकार ने संवेदनशीलता दिखाते हुए 'मोक्षवाहिनी' सेवा शुरू करने का ऐलान किया है। अस्पताल में मृत्यु होने पर पार्थिव देह को सम्मानपूर्वक और निशुल्क घर तक पहुंचाने की व्यवस्था सरकार करेगी। इसके अलावा, जयपुर, जोधपुर और बीकानेर में मरीजों के परिजनों के ठहरने के लिए 500 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक धर्मशालाएं बनाई जाएंगी।

गांवों में ही मिलेगा हार्ट अटैक का इलाज

टेली थ्रांबोसिस: *अब सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर ही 'टेली थ्रांबोसिस' की सुविधा मिलेगी, जिससे हार्ट अटैक के मरीज की जान शुरुआती घंटों में बचाई जा सकेगी। जेके लोन अस्पताल 75 करोड़ की लागत से नया आईपीडी टावर और नियो नेटल आईसीयू बनेगा।*
भर्तियां: *चिकित्सा विभाग में 1000 नए पदों पर भर्ती होगी।*
फायर सेफ्टी: *अस्पतालों को आग से सुरक्षित करने के लिए 300 करोड़ रुपये खर्च होंगे।*

32,000 करोड़ की योजना को हरी झंडी | हथिनी कुंड से बुझेगी तीन जिलों की प्यास

शेखावाटी को 'भागीरथ' तोहफा : सीकर, चूरू और झुंझुनूं तक पहुंचेगा यमुना का पानी, 300 किमी. लंबी पाइपलाइन का काम जल्द

जयपुर (विसं)। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री दिया कुमारी ने बजट 2026 पेश करते हुए शेखावाटी क्षेत्र (सीकर, झुंझुनूं और चूरू) के लिए अब तक की सबसे बड़ी घोषणा की है। पिछले तीन दशकों से लंबित यमुना जल परियोजना को सरकार ने न केवल हरी झंडी दी है, बल्कि इसके लिए 32,000 करोड़ रुपये के भारी-भरकम बजट का प्रावधान भी किया है। हथिनी कुंड से शेखावाटी

तक का सफर इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत हरियाणा के हथिनी कुंड बैराज से पाइपलाइन के जरिए यमुना का पानी राजस्थान लाया जाएगा। इसके लिए लगभग 300 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाई जाएगी। राजस्थान सरकार ने इसका अलाइनमेंट पहले ही तैयार कर लिया है, जिसे हरियाणा सरकार की ओर से भी सैद्धांतिक मंजूरी मिल चुकी है।

इस परियोजना को दो मुख्य चरणों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे क्षेत्र के लाखों लोगों को लाभ मिलेगा।

शेखावाटी की अर्थव्यवस्था को मिलेगी नई गति

जलस्तर में सुधार: यमुना का 577 एमसीएम पानी मिलने से डार्क जोन में जा रहे जलस्तर को सुधारने में मदद मिलेगी। कृषि क्रांति सिंचाई के पानी से कृषि उत्पादन बढ़ेगा और किसानों की आय में इजाफा होगा। पेयजल संकट सालों पुरानी पानी की समस्या का स्थायी समाधान होगा।
प्रथम चरण: सीकर, झुंझुनूं और चूरू जिले के शहरी और ग्रामीण इलाकों में शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी।
द्वितीय चरण: पेयजल के साथ-साथ सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराया जाएगा। इसमें चूरू जिले की 35,000 हेक्टेयर और झुंझुनूं जिले की 70,000 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई का लाभ मिलेगा।

35 लाख अन्नदाताओं को मिलेगी बड़ी राहत, तारबंदी के नियमों में बड़ा बदलाव

जयपुर। राजस्थान की वित्त मंत्री दीया कुमारी ने बुधवार को विधानसभा में पेश किए गए बजट में 'विकसित राजस्थान' की नींव रखते हुए बुनियादी ढांचे और कृषि क्षेत्र के लिए खजाना खोल दिया है। बजट भाषण में जहां एक तरफ प्रदेश की सड़कों की सूरत बदलने के लिए करोड़ों के फंड का ऐलान किया गया, वहीं दूसरी तरफ 'अन्नदाता' को राहत देते हुए ब्याज मुक्त कर्ज और सब्सिडी की बारिश कर दी गई है। किसानों की आय बढ़ाने और कर्ज का बोझ कम करने के लिए सरकार ने चौतरफा रणनीति बनाई है। प्रदेश के 35 लाख किसानों को 25,000 करोड़ रुपये का ब्याज मुक्त अल्पकालीन ऋण दिया जाएगा। इसका 800 करोड़ का ब्याज भार सरकार उठाएगी।

एकमुश्त समाधान: उपनिवेशन क्षेत्र के किसानों के लिए बड़ी राहत दी गई है। 1 अप्रैल 2026 से 10 सितंबर 2026 के बीच बकाया जमा कराने पर ब्याज में 100% छूट मिलेगी।

तारबंदी में बदलाव

आवारा पशुओं से फसल बचाने के लिए 20,000 किमी की तारबंदी होगी (228 करोड़ की सब्सिडी)। अब सामुदायिक तारबंदी के लिए 10 के बजाय सिर्फ 7 किसानों का समूह भी आवेदन कर सकेगा।

समाचार पत्र 'द पब्लिक हब' के समस्त संपादकीय एवं प्रकाशकीय विषयों पर स्वायत अधिकार सहित प्रकाशक, स्वामी व संपादक: दीपक गोस्वामी,
ए-101 यूनिक टावर, प्रताप नगर, जयपुर-302017, मो. 9828528666 मुद्रक: अम्बर ऑफसेट प्रा. लि., जयपुर info@thepublichub.in, digital@thepublichub.in,
*पीआरबी एक्ट के तहत समाचारों के चयन के लिए जिम्मेदार।